प्रश्न और उत्तर

शुभ संध्या, मित्रों, आज रात यहां होना अच्छा लगा। और मैं... जिस तरह से इस तरह सब कुछ मुझ पर आया, उसका कारण यह था क्योंकि मैं ऐसा... आज सुबह मैं अपने भाई के विषय में सोच रहा था, और किस तरह से मैं जानता हूं कि एक दिन में दो सभाओं को लेने क्या मतलब होता है।

2 और मैं—मेरे गले में थोड़ा दर्द हो रहा था। मैं बहुत प्रचार करता हूं। और फिर जैसे ही मैं शहर, इस घाटी में आता हूँ, छोटा सा मुंह के अंदर तालु यहाँ से किसी प्रकार पीछे आ जाता है... इसे, वे इसे कहते हैं... घाटी में यहाँ का जो मौसम है, यह सूजन को इतना खराब बनाये रखता है कि जब भी मैं यहां घाटी में रहता हूं तो मुझे बस हर समय निगलना पड़ता है। और मैं कुछ दिनों के लिए दूर जाता हूँ, तो यह सुजन चली जाती है। वापस आता हूं, फिर से मुंह के अंदर का तालु नीचे गिर जाता है।

3 और मेरे मन में भाई नेविल के प्रति एक तरह की भावना थी, यह जानते हुए कि—कि हम बस हो सकता है रास्ते के थोड़ा आगे बढ़ें तब आप में से कुछ जो युवा लोग हैं, और इसलिए हम दूसरे रास्ते की ओर देख रहे हैं। इसी प्रकार हम एक–दूसरे के प्रति महसूस करते हैं, और जितना अधिक दिन करीब आते हैं, बुरे दिन नजदीक आ रहे हैं। और फिर यह जानते हुए कि जल्दी ही हम अब चले जायेंगे, प्रभु ने चाहा तो।

4 और मैंने सोचा, आप जानते हैं, भाई बोज़ को अगले रविवार शाम को यहाँ होना है, मैं सोचता हूं। मैं... क्या आपने इसे समझा? हाँ, और अगले रविवार की शाम को। उनके पास एक—एक फिल्म है जिसे वह बाहर के देशों से अपने मिशनों पर दिखाना चाहते है... उनका एक—एक सपना था जो कई वर्षो पहले उनके मन में आया था, शिकागो में आने के विषय में। और उस बेचारे छोटे मनुष्य को ऐसा महसूस हुआ कि सब एक बार में टूट गया है, उसने कहा कि उसका संदेश कभी पूरा नहीं हुआ था। और मैंने उसे समझाया कि प्रभु ने इसे पहले ही किस तरह से पूरा कर दिया है। फिर उसे यह समझ आया।

5 सो उस के बाद प्रभु ने उसे दूसरा स्वप्न दिया। और फिर जब इसका अनुवाद आया, तो उसे बताया कि कहाँ जाना है और क्या करना है। और वह वहां पर गया और, ओह, परमेश्वर, केन्या और तांगानिका और युगांडा, और वहां के उन देशों में, प्रभु ने उनके मिशनों में उनके लिए जो किया है ये बस अद्भुत है। और वह चित्र को दिखाना चाहता है, केवल यह दिखाने के लिए कि प्रभु उन लोगों के बीच, अफ्रीकी जनजातियों के बीच क्या कर रहा है। प्रभु ने चाहा तो जनवरी में मैं उनके साथ वहां उनके बीच में जाना चाहता हूं... और वे उन जनजातियों के बीच, एक सभा के लिए, ठीक पहले मैं रोडेशिया और दक्षिण अफ्रीका में फिर से जाऊंगा।

6 और, फिर, यह आने वाली रविवार की रात है, इसलिए अब याद रखना। और भाई जोसेफ के लिए पूरी तरह से प्रार्थना में रहे, वह एक अच्छा छोटा भाई है। मैंने उसकी, उसकी संगति और आदि की बहुत सराहना की है।

7 तब, यह अगला सप्ताह जो आ रहा है, हम तब निकल जायेंगे... ऊपर दक्षिणी पाइंस में, और फिर वहां से कोलंबिया, दक्षिण कैरोलिना में; और फिर वहां से काउ पैलेस, पश्चिमी तट, उसके बाद ऊपर ग्रास वैली की ओर; और वर्ल्ड फेयर की ओर, और वापस फिर से ओरेगॉन की ओर; उसके बाद ब्रिटिश कोलंबिया में, और इसी तरह से आगे और आगे, इस शरद ऋतु के अंत तक। तब हम आशा करते हैं, इस शरद ऋतु में, प्रभु ने चाहा, तो यहां कुछ और सभाये होंगी, यदि प्रभु पहले से प्रबंध करता हैं।

8 फिर मैंने सोचा, मेरे जाने से पहले, कुछ प्रश्नों को पूछना एक प्रकार से अच्छी बात होगी। आप जानते हैं, जब आप प्रश्न को पूछते हैं तो आपको पता चलता है कि लोगों के ह्रदय में क्या है। और इसलिए उसके बाद मैंने सोचा, आप जानते हैं, आज रात, कि किसी प्रकार की कुछ ह्रदय से ह्रदय की बात होनी चाहिए यहाँ के इन—इन लोगों के छोटे झुंड के साथ, बस—बस मेरे—मेरे ह्रदय से आपसे बात करूं। कभी–कभी मैं सोचता हूं कि यह एक उपदेश को प्रचार करने से ज्यादा अच्छा करता है, बस एक–दूसरे को बेहतर ढंग से समझने के लिए।

9 हम परमेश्वर के आभारी हैं उस बात के लिए जो हमने इस सप्ताह उसे करते हुए देखा है प्रार्थना के उत्तर में, यह बहुत ही विशेष रहा है। और इसलिए हम आभारी हैं, बहुत ही आभारी हैं।

10 और हम समय को देखते है और अंत समय को निकट आते देखते हैं, यह जानते हुए कि कुछ तो होना निश्चित है। और ऐसा कोई भी नहीं है जो जानता हो कि यह बात सत्य है, यदि वह एक—यदि वह एक विचार करने वाला है। हम जानते हैं, हम इसे युगों–युगों से होते हुए देखते आ रहे हैं, प्रत्येक ने इसे देखा है। लेकिन, आप जानते हैं, अब बहुत कुछ घटित हो रहा है। हम—हम जानते हैं कि यह सही है... अब ज्यादा दूर नहीं हो सकता। और अब हो सकता है मैं कुछ क्षणों में उनमें से कुछ पर बात करूंगा।

11 लेकिन आइए अब, शुरुआत करने के लिए, प्रार्थना के कुछ शब्द के लिए अपने सिर को झुकाएंगे। और जबकि हमारे सिर झुके हुए हैं, मैं सोचता हूं कि क्या हमारे ह्रदय में कुछ है, जिसे हम चाहेंगे कि परमेश्वर के समक्ष प्रार्थना में हमें याद किया जाये। यदि ऐसा हो, तो बस अपना हाथ ऊपर उठाएं। वो समझ जाएगा, वह इसके बारे में सब कुछ जानता है। बस कोई विनंती जो आप कहना चाहेंगे, "परमेश्वर, मुझे याद रखना।" प्रभु आप में से प्रत्येक को आशीष दें।

12 हमारे स्वर्गीय पिता, जब कि हम आज रात अनुग्रह के सिंहासन के पास आ रहे हैं, जिसे आपने बहुत ही अनुग्रहपूर्वक हमें परमेश्वर के सिंहासन और उसके अनुग्रह के सामने साहसपूर्वक आने की आज्ञा दी है, किसी भी याचिका को मांगने के लिए जिसकी हमें आवश्यकता होगी। आपने हमें बताया कि यदि हम दो या तीन भी होंगे जो एक साथ इकट्ठा होकर और आपके नाम से इकट्ठे हो, कि आप हमारे बीच में होंगे। और फिर हम जो कुछ भी इच्छा रखते हैं, यदि हमने इसे मांगा है, तो हम उसे पाएंगे, यदि हम केवल यह विश्वास करें कि हम उसे पायेंगे।

13 आप इस दिन की अवस्था और कलीसिया और लोगों की अवस्था को जानते हैं, और ये आपके सामने हमारी विनती है। अब, आपने हाथों को देखा हैं, प्रभु। आप लोगों के हृदयों, उनकी इच्छाओं को और आवश्यकताओं को जानते है। और हम देखते हैं कि समय निकट आ रहा है, यह अब बड़े बादल तेजी से एकत्रित हो रहे है, और स्थिर हो रहे हैं। वे बातें जिनके बारे में भविष्यवक्ताओं ने सैकड़ों वर्ष पहले बोला था, हम देखते हैं कि इस समय तक ऐसा कभी भी नहीं हुआ था, और यहाँ हम इसे ठीक हमारे दिनों में देखते हैं।

14 अब हम प्रार्थना करते हैं, पिता, कि आप हमें ये आशीष को प्रदान करेंगे जो हम माँगते हैं। बीमारों और पीड़ितों को चंगा करे। अपनी कलीसिया में लौटाए, प्रभु, पवित्र आत्मा की जीवित सामर्थ को, जीवित विश्वास को कि हम जिसे मांगते हैं क्योंकि हम विश्वास करते हैं। हम विश्वास करते हैं कि हम इसे पाएंगे क्योंकि हमें यकीन है कि यही परमेश्वर की इच्छा है कि वो हमारे मांगने से पहले ही हमें इसे देता है। हम व्यर्थ में नहीं मांग रहे हैं, हम परमेश्वर के राज्य के खातिर मांग रहे हैं, सो हम प्रार्थना करते हैं कि आप इसे हमें प्रदान करेंगे।

15 हमारे एक साथ एकत्र होने को, हमारे पास्टर को, कलीसिया के कार्यकर्ताओं को आशीष देना, प्रत्येक व्यक्ति को आशीष देना, मसीह के शरीर के सदस्य को जो उपस्थित हैं। वे लोग जो मसीह की देह के सदस्य नहीं हैं, वे आज कहीं तो शरण के लिए देख रहे है, पिछवाड़े में बम से बचने के लिए एक आश्रय को खरीदते है, परमेश्वर, होने पाए वे प्रभु यीशु की शरण के नीचे आ जाए, यह जानते हुए कि जब यह जीवन समाप्त हो जाएगा तो वहां इसके उस ओर जीवन है। आपकी प्रतिज्ञा के लिए धन्यवाद।

16 आज रात हमें इन प्रश्नों का उत्तर दीजिये, कि हम आपके वचन से हर एक ह्रदय को संतुष्ट कर सकें। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

17 प्रभु के आगमन का निकट आना, यह क्या ही महान आश्वासन है!

18 मैं कुछ समय पहले बोल रहा था, किसी ने तो *बीमा* के बारे में कुछ तो कहा, ज्यादा समय नहीं हुआ मैं एक बिजनेस मैन के साथ था उनके एक सम्मेलन में, एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में था। मैंने तब वहां एक क्षेत्रीय कार्यक्रम में भाग लिया। मैं दुनिया भर में फुल गॉस्पेल बिजनेस मेन के लिए बोलता हूं। और तब यह—यह सम्मेलन पश्चिमी तट पर हुआ था, और दुनिया भर से वहां बैठे हुए सारे प्रसिद्ध लोगों के साथ... बहुत अच्छे कपड़े पहने हुए और नामचीन लोग थे। उनमें से एक ने मुझसे कहा, "मैंने सुना है कोई तो आपको 'आदरणीय,' कहकर बुलाते है।"

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

कहा, "आप एक प्रचारक हैं? "

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

उसने कहा, "आप इन व्यवसायी या बिसनेसमेन लोगों के साथ क्या कर रहे हैं? "

मैंने कहा, "मैं—मैं एक व्यवसायी हूं।"

"ओह? " उसने कहा, "आप किस प्रकार के व्यवसाय में हैं? "

मैंने कहा, "भरोसा मतलब एशोरेंस।"

19 उसने मुझे गलत समझा, उसने सोचा कि मेरा मतलब बीमा यानी इंशोरेंस से है। तो उसने मुझसे कहा, उसने कहा, "आप किस कंपनी से हैं? "

मैंने कहा, "स्वर्गीय कंपनी।"

उसने कहा, "मैं नहीं सोच पाता हूं कि मैं उसे जानता हूं।"

मैंने कहा—कहा, "आप किस—किस किस प्रकार का बीमा बेचते हैं? "

20 "मैं कभी भी... " मैंने कहा, "मैंने आपको कभी भी *बीमा* या इंशोरेंस नहीं कहा, मैंने *भरोसा* या एशोरेंसन कहा।"

कहा, "आपका क्या मतलब है? "

मैंने कहा:

धन्य भरोसा, यीशु मेरा है!
ओह, दिव्य महिमा का क्या ही पूर्वाभास है!
उद्धार के वारिस, परमेश्वर के खरीदे हुए,
उसकी आत्मा से जन्मे, उसके लहू में धुले हुये।

21 तो, उस रात जब मेरा प्रसारण के लिए परिचय किया जा रहा था, तो मैंने इसे बताया। और मैंने कहा, "अब, मेरे—मेरे पास यहां नीतियां याने पॉलिसी हैं यदि आप लोग जो यहां के हैं या देश के बाहर से, यदि आप किसी पॉलिसी या निती में रुचि रखते हैं, तो मैं सभा के ठीक बाद आपके साथ इस पर बात करना चाहूंगा। भरोसा, धन्य भरोसा!"

22 अब, मैंने सोचा, इन प्रश्नों के पूछने से, यह मुझे आपके—आपके विचार के प्रति कुछ दृष्टिकोण को दे सकता है। मेरे पास दो प्रश्न है। जब मैं दरवाजे पर आया तो बिली ने कहा कि और भी प्रश्न है, लेकिन निस्संदेह, मुझे उन्हें देखने का मौका नहीं मिला। और मैं इसका उत्तर देने से पहले यह सुनिश्चित कर लेना चाहता हूं कि मैं वचन अनुसार क्या मैं सही हूं, क्योंकि

आप... इसे चाहते हैं कि यह इसी तरह हो, या इससे पहले कि मैं इसका उत्तर दूं। तो हो सकता है मैं उन्हें कुछ और समय के लिए रोक कर रख सकता हूँ। अब, इनमें से एक... और अब इन प्रश्नों का उत्तर देते समय, याद रखें, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता हूं जितना मैं कर सकता हूं।

23 मैं सभाओं में प्रश्नों के उत्तर को नहीं देता। मैंने इसका एक बार प्रयास किया था और परेशानी में पड़ गया। उन्होंने मुझे गलत समझा। यह श्रीमान एलन के बारे में था, या लहू और तेल के प्रमाण और इत्यादि के विषय में था, जो हाथों और चेहरे में होता है, पवित्र आत्मा का प्रमाण होने के विषय में। मैंने कहा, "तो, मैं इसके बारे में नहीं जानता," मैंने कहा, "मैंने वचन में इसके बारे में कभी कुछ भी नहीं देखा है।" मैंने कहा, "लेकिन मैं—मैं विश्वास करता हूं कि मैं... इस भाई की तरह प्रचार कर सकता हूं, मैं सनसनी होने पर निर्भर नहीं रहता हूं। मैं तो केवल सुसमाचार का प्रचार करता हूं," और आगे बोलता गया।

24 और सो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक पत्र मिला, "प्रिय भाई ब्रंहम... " तो यह बात हर जगह चली गयी। और उन्होंने इसे गलत समझा। और हमने उन्हें टेप भेजे और वे इसे वहां पर चलाने दो और देखे मैं... कहा कि मैंने "उस मनुष्य को दोषी ठहराया।" मेंने—मैंने ऐसा नहीं किया। मैंने कभी किसी भाई को दोषी नहीं ठहराया। कभी–कभी मैं उनसे असहमत हो सकता हूं, लेकिन इसे मित्रतापूर्ण आधार पर करता हूं।

25 और फिर यहाँ ज्यादा समय नहीं हुआ एक मनुष्य ने इस मनुष्य के बारे में एक किताब को लिखा था, *शैतानों का डंक मारना*। तब मैंने सोचा कि हो सकता है भुगतान करने या उसे बताने का समय आ गया है। और जिस व्यक्ति ने किताब को लिखा था उसने मुझे छोड़ हर एक सुसमाचार के प्रचारक की आलोचना की थी, और वह ठीक मेरी सभा में बैठा हुआ था, सो मैंने कहा, "मैं सराहना नहीं करता... उस आलोचना की, लेकिन... " मैंने कहा... भाई ने, सच कहूँ तो, उसने *क्रिश्चियन डाइजेस्ट* पत्रिका पर इसकी सराहना की, उसने कहा कि मैं उनमें से था जिसने कभी प्रेम दान को नहीं लिया था और ना ही लोगों से पैसा देने के लिए याचना की, इत्यादि इस तरह की बातें, और उसने इसकी सराहना की। और वह व्यक्ति वहां बैठा हुआ था। लेकिन एक मौका था जो मुझे पता था कि उस व्यक्ति ने भाई एलन के बारे में कुछ ऐसा कहा था जो सही नहीं था।

उसने कहा, "ए. ए. एलन ने *शैतानों का डंक मारना* इस किताब को लिखा है।"

26 अब, ए. ए. एलन ने उस किताब को कभी नहीं लिखा। मैं उस किताब के लेखक को जानता था। और मैंने कहा, "अब, यदि वो व्यक्ति जिसने इसे लिखा इतना सच्चा नहीं था कि बाहर जाकर जाँच करें कि इसे किसने लिखा है इससे पहले कि भाई एलन की आलोचना करे, मैं एक तरह से सोचता हूं कि उसकी कुछ दूसरी आलोचनायें इन भाइयों के कारण नहीं हैं।" देखा? और वो मनुष्य ठीक वहां पर बैठा हुआ मेरी ओर ध्यान दे रहा था। लेकिन ये केवल उसे बताने के लिए था कि उसका कथन गलत था, आप देखिए, कि भाई एलन ने वह किताब, *शैतानो का डंक मारना* का लेखन, कभी नहीं लिखा।

27 अब, इन प्रश्नों के उत्तर में, वे मेरी जानकारी में जो सबसे अच्छे हैं। और यदि... मैं उन्हें वचनों के द्वारा उत्तर देने का प्रयास करूंगा।

28 अब, मैं सोचता हूं कि पहला एक प्रश्न, पहला कुरिन्थियों, 7वें अध्याय और 15वें पद में पाया जाता है। तो अब हम उस वचन पर जाने का प्रयास करेंगे और देखेंगे कि यह कैसा दिखता है, और देखेंगे कि क्या हम प्रश्न पूछने वाले इस बहुमूल्य व्यक्ति की सहायता कर सकते हैं। अब। पहला कुरिन्थियों, 7वां अध्याय, 15वां पद। और मुझे लगता है कि वह व्यक्ति अभी उपस्थित है। अब ये इस प्रकार से कहता है:

> *परन्तु यदि* अनब्याहा, *यदि वह अलग हो, तो अलग होने दो। ऐसी* दशा *में कोई भाई या बहिन बन्धन में नहीं: परन्तु परमेश्वर ने तो हमें मेल मिलाप* के लिये *बुलाया है।*

169. अब। **पहला कुरिन्थियों, 7वां अध्याय, 15वां पद।** अब उन्होंने जो प्रश्न पूछा है: **भाई ब्रंहम, क्या इसका मतलब यह है कि एक बहन या भाई फिर से विवाह करने के लिए स्वतंत्र है?** नहीं।

29 देखो, आपको वहां उसका प्रश्न और वह जो कह रहा है, समझ नहीं आएगा। वे स्वतंत्र नहीं हैं। देखो, इससे वचन में विरोधाभास हो जाएगा, और वचन बिल्कुल भी स्वयं के विपरीत नहीं होता है। समझे? अब, आओ... आप देखना, जैसे की आप वचन को बना सकते हैं (बस एक वचन को पढ़कर) आप जो कुछ भी कहना चाहते हैं उसे आप अपने विचार के अनुरूप

कहते है। लेकिन आपको उस विचार को लेना होगा कि जिस पर वे बात कर रहे हैं।

30 जैसे कि यदि—यदि मैं भाई नेविल से बात कर रहा होता हूं और आपने—और आपने मुझे यह शब्द कहते हुए सुना, "बोर्ड।"

31 और उसके बाद आप जाकर, आप कहोगे, "आपको पता है वह किस बारे में बात कर रहे है? आज रात हमने उन्हें बोर किया।" देखा? "नहीं," दूसरा व्यक्ति कहेगा, "यह ग़लत है, इसका मतलब यह था कि उन—उन पर बोर्ड के बिल का कर्जा है, वो उसे चुकाने जा रहे है।" दूसरा कहता है, "ओह, नहीं, उनका मतलब यह नहीं था, उनका मतलब घर के किनारे लगे बोर्ड से था।" और दूसरा व्यक्ति कहता है, "नहीं, मैं आपको बताता हूं, मैं सोचता हूं कि वो एक बोरिंग को खोदने के बारे में बात करने की कोशिश कर रहे थे।" समझे? समझे?

32 आपको उस वार्तालाप का पता लगाना चाहिए, तब आप जान जायेंगे कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं, क्योंकि पौलुस यहाँ किसी समय में उनके प्रश्न का वापस उत्तर दे रहा है।

33 कभी–कभी वे कहते हैं, "बाईबल स्वयं का ही विरोध करती है।" मैं इसे पता लगाना चाहता हूं। ये ऐसा नहीं है। मैं—मैं बत्तीस वर्ष से पुलपीट के पीछे हूं, मैंने अभी तक कभी कोई भी विरोधाभास नहीं देखा है। समझे? यह स्वयं का विरोध नहीं करता है! यह तो... यह तो आप ही हैं जो इसका विरोधाभास कर रहे हैं, देखें, और इसे समझ नहीं पा रहे हैं। पवित्र आत्मा एक प्रकट करने वाला है, वचन का प्रकट करने वाला है। इसलिए, विरोधाभास...

34 देखिए, पौलुस उन लोगों को लिख रहा है, कहता है, "तुमने एक *ऐसी–और–ऐसी* बात पूछी।" केवल, वो ऐसा नहीं कह रहा है कि तुमने यह पूछा है, वह तो बस इसे *कह* रहा है। तब यहां पर वो पलट कर और उन्हें उत्तर देता है, उन्होंने जो पुछा है जो की विरुद्ध है।

35 उन्होंने पूछा, "हम *ऐसा* करते हैं, और *ऐसा,* और *ऐसा* करते हैं।" और पौलुस पलट कर कुछ तो और कहता है, देखो, ऐसा दिखाई देता है कि यह एक विरोधाभास है। पर ऐसा नहीं है। यदि आप सारे पद को, सारे अध्याय को पढ़ेंगे, तो आपको पता चल जाएगा कि वो—वो यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि उन्होंने उसे क्या लिखा है।

36 अब, ठीक यहाँ पर जो ऐसा ही दिखाई देगा जैसे यह... और इसी तरह से आपको बाईबल में विरोधाभास मिलता है, लेकिन ऐसा नहीं है। अब, ऐसा दिखाई देता है जैसे, यहाँ, कि वो व्यक्ति जानना चाहता है, या प्रश्न यह है कि वे क्या जानना चाहते हैं:

> **क्या प्रभु में कोई भाई या बहन है, वह विवाह या फिर से विवाह कर सकता है और स्वतंत्र हो सकता है, यदि वे दोबारा विवाह करने के लिए अपने साथी को छोड़ देंते है?** नहीं।

37 अब आइये लेते हैं... 10वें पद से शुरू करेंगे:

> *जिन का ब्याह हो गया है, उन को मैं नहीं, वरन प्रभु आज्ञा देता है,* (देखा?) *कि पत्नी अपने पति से अलग न हो।* (समझे)
>
> *लेकिन... यदि* अलग *भी हो जाए, तो बिन दूसरा ब्याह किए रहे, या अपने पति से फिर मेल कर ले: और न पति अपनी पत्नी को छोड़े।* (यही प्रभु की आज्ञा है, देखो।)
>
> *दूसरे से ना ही प्रभु, परन्तु मैं ही कहता हूं:* (देखा?) *यदि किसी भाई की पत्नी विश्वास न रखती हो,...*

38 अब, उसके विषय को देखेंगे, देखो। और आप इससे पहले नीचे अध्याय में से होते हुए आगे पढ़ें, आप पाएंगे कि उन्होंने सोचा, "यदि हमने एक पत्नी से विवाह किया और वो... हम... मेरा विवाह हो गया और मैं एक विश्वासी बन जाता हूं, और मेरी पत्नी विश्वासी नहीं थी, मुझे उसे अलग कर देना चाहिए।" ओह, नहीं। ये ऐसा नहीं है। आप ऐसा नहीं कर सकते, समझे? देखो:

> *... यदि किसी भाई की पत्नी विश्वास न रखती हो, और वो उसके साथ रहने से प्रसन्न हो, तो वह उसे न छोड़े।* (यह विवाह के कारण से नहीं है, अविश्वास के कारण से है। नहीं "फिर से विवाह" दोबारा नहीं करे। देखो, उसके साथ रहे!)
>
> *और* यदि *उस स्त्री का पति विश्वास न रखता हो, और उसके साथ रहने से प्रसन्न हो, तो वह पति को न छोड़े।* (यह सही है! समझे?)
>
> *क्योंकि ऐसा पति जो विश्वास न रखता हो, वह पत्नी के कारण पवित्र ठहरता है, और ऐसी पत्नी जो विश्वास नहीं रखती, पति*

के कारण पवित्र ठहरती है: नहीं तो तुम्हारे लड़केबाले अशुद्ध होते; परन्तु अब तो पवित्र हैं।

परन्तु जो पुरूष विश्वास नहीं रखता, यदि वह अलग हो, तो अलग होने दो।

39 अब, यदि अविश्वासी कहता है, "मैं अब तुम्हारे साथ नहीं रहूँगा, तुम एक मसीही बन गये हो।" कि... एक पुरुष अपनी पत्नी से कहता है, "क्योंकि तुम बचायी गयी हो, और दुनिया से बाहर निकल जाओगी जहाँ पर हम एक समय पर थे, तो मैं तुम्हें छोड़ दूंगा।" अब, आप इसके विषय में कुछ भी नहीं कर सकते, उसे जाने दो। देखा?

40 या स्त्री अपने पति से कहे, "मैं उस पवित्र शोर–शराबा करने वाले झुण्ड के साथ घुलुंगी–मिलूंगी नहीं। मैं ऐसा नहीं करूंगी! मैं अलग हो जाऊंगी और तुम्हें छोड़ दूंगी।" तो आप कलीसिया को मत छोड़ना, आप उसे जाने दें। समझे?

41 ऐसे मामले में कोई भाई या बहन बंधन में नहीं है, अर्थात्, यदि आपका साथी आपको अलग कर रहा है और इसके लिए अलग होना चाहता है। तो आपको तब उन्हें पकड़कर रखने की आवश्यकता नहीं है। यदि वे आपको छोड़ना चाहते हैं और वे मसीह के कारण आपको छोड़ने जा रहे हैं, तो उन्हें जाने दें। लेकिन आप फिर से विवाह नहीं कर सकते है! "लेकिन परमेश्वर ने हमें मेल करने के लिए बुलाया है।" देखा? अब, ऐसा नहीं है कि आप दोबारा विवाह कर सकते हैं, उसने पहले ही इस बात को कहा है कि, लेकिन आपको अविश्वासी पति या अविश्वासी पत्नी के साथ रहने की आवश्यकता नहीं है यदि वे इच्छुक नहीं हैं तो।

42 यदि वे इच्छुक हों, कहते है "अब, तुम कलीसिया जाओ। और यदि तुम वहां जाना चाहते हैं, तो यह तुम्हारा काम है। तुम अपनी कलीसिया जाना चाहते हो, तुम आगे बढ़ो। मेरे लिए, मैं तो इस पर विश्वास नहीं करता। और मैं—मैं तुम्हारे लिए कुछ भी करूंगा, मैं तुम्हारे रास्ते में नहीं आऊंगा, तुम आगे बढ़ो, " तब आप वहीं पर बने रहे, यह नहीं जानते हुए कि आपका पवित्र जीवन उस विश्वासी को पवित्र करेगा, उन्हें विश्वास दिलायेगा। समझे? दोनों तरफ से, पुरुष हो या स्त्री, देखें। आप...

43 लेकिन अब बस इतना ही कहना है, "मैं... भाई ब्रंहम, मैंने विवाह किया है और मेरी पत्नी अविश्वासी है, और यहाँ पर एक बहन है जिससे मैं विवाह

कर सकता हूँ। मैं इसे छोड़कर उससे विवाह करने जा रहा हूं।" ओह, नहीं! बिल्कुल भी, नहीं! आपकी प्रतिज्ञा यह थी कि आप मृत्यु होने तक अलग नही होंगे, और दुनिया में कोई भी चीज़ आपको विवाह करने की अनुमति नहीं देगी (बाईबल कहता है) जब तक आपका साथी मर न जाए। यह सही है। यही उनका आधार है! कहीं भी फिर से विवाह बिल्कुल भी नहीं है, एक मृत साथी को छोड़कर। बस ऐसा ही है। देखा?

44 आप इसे खुद के विरोध में नहीं बना सकते है। तो बस पहले और बाद के पदों को पढ़ें, और आप समझ जाएंगे कि वह किस बारे में बात कर रहा है। अब, इसका मतलब यहाँ पर, ना ही... देखो:

क्या इसका मतलब यह है कि बहन या भाई फिर से विवाह करने के लिए स्वतंत्र है?

45 नहीं श्रीमान। देखो, उसने सबसे पहले यही समझाया। देखना:

... जिन का विवाह हो गया है, उन को मैं नहीं, वरन प्रभु आज्ञा देता है, कि पत्नी अपने पति से अलग न हो:

और यदि अलग भी हो जाए, तो बिन दूसरा विवाह किए रहे; या अपने पति से फिर मेल कर ले:... (समझे?)

46 ऐसी कोई चीज ही नहीं है कि कोई भी विश्वासी कभी भी दोबारा विवाह करके मेल मिलाप किया हो, जीवित साथी के साथ।

अब, यहाँ एक और प्रश्न है। दूसरा इस प्रकार से है:

170. महान न्याय के सफ़ेद सिंहासन पर अंतिम पुनरुत्थान में दुष्टों का शरीर किस प्रकार का होगा?

47 वो पापी पुनरुत्थान में उसी शरीर में न्याय के लिए ऊपर आएगा जिसमें उसने पाप किया है। देखा? उसे पुनरुत्थान में न्याय का सामना करना होगा।

48 *पुनरुत्थान* प्रतिस्थापन करना या उसे बदलना नहीं है, यह "जो नीचे गया है उसे ही ऊपर लाना," है। जब यीशु मरे हुओं में से जी उठा, तो वह उसी शरीर में था जो नीचे गया था, वो उसी प्रकार के एक शरीर में ऊपर आया। हम उसी शरीर में उठते हैं जिसमें हम नीचे जाते हैं; यह पुनरुत्थान है, ना ही प्रतिस्थापन या उसे बदलना नहीं है।

49 अब, बाईबल कहती है कि... कि शरीर में किए गए पापों के अनुसार हमारा न्याय किया जाएगा। और, जब दुष्ट उठेगा, तो उसका न्याय उसी शरीर में किया जाएगा जिसमें उसने पाप किया था, उसी में।

171. "आदम अपनी पत्नी हवा के पास गया; और" (एक जोड़ है) "वह गर्भवती हुई, और कैन को जन्म दिया।" मेरा विश्वास है कि आप सब सिखाते हैं, लेकिन... क्या मैं... मैं किसी को क्या उत्तर दूं जो—जो कहते है कि आदम के द्वारा उसके पास जाने के बाद वह गर्भधारण नहीं हुई, इस जोड़ के कारण "और।" "आदम अपनी पत्नी के पास गया; और वह गर्भवती हुई, और कैन को जन्म दिया।"

50 अब, हम वयस्क जानते हैं उसके पास "जाने" का मतलब क्या है। अब, प्रश्न उस जोड़ से संबंधित है। अब, यदि आप देखेंगे, मित्रों, देखो, आप—आप बस बाईबल को ऐसा नहीं बना सकते कि एक स्थान पर एक बात को कहें और कहीं और कुछ और बात को कहें। इसे हर समय एक ही बात को कहना है। और यदि आप यहां पर कुछ और कह रहे हैं और वहां पर कुछ और कहते है, तब आपका अनुवाद गलत है। समझे? आप ऐसा नहीं कर सकते। आप हवा को साँप के द्वारा बहकावे में नहीं ला सकते है और फिर उसे कहीं तो और फिर से बहकावे में नहीं पा सकते। समझे? और पहली बार उसे बहकाया गया जब वह गर्भवती हुई थी। आप उसे दो बार बहकाया हुआ नहीं कर सकते है।

51 बस मैं आपको आपके उस जोड़ के बारे में बता दूं। बाईबल पढ़ते समय आपको अवश्य ही पता होना चाहिए कि आपके जोड़ कहाँ जाते हैं। *जोड़* आपके वाक्य को एक साथ बांधता है। देखा? अब इसे देखो। अब, उत्पत्ति 1:26 में, इस जोड़ को देखें, और तब आप इसका अनुवाद करें और उसके बाद मैं आपको बताऊंगा कि किस तरह से वो... जब आदम अपनी पत्नी ने अपने पत्नी के पास गया। उत्पत्ति, 1ला अध्याय, और 26वें पद से आरंभ होता है। अब, ध्यान से सुनना। परमेश्वर ने अब उसकी सृष्टी को बनाया, और परमेश्वर ने धरती से रेंगनेवाले जन्तुओं और सारी वस्तुओं को जो धरती से उत्पन्न हुईं उत्पन्न होने दीं। अब, 26वें अध्याय में... उत्पत्ति के 1ले अध्याय का 26वां पद:

और परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने *स्वरूप के अनुसार, अपने स्वयं—स्वयं की समानता के अनुसार बनाएंः...*

> उन्हें (मनुष्य को)... (ना ही *पुरुष* को; "उन्हें," देखो, बहुवचन) *और वे समुद्र की* मछलियों *पर, और आकाश के* पक्षियों *पर, और घरेलू पशुओं पर अधिकार रखें, और...* (देख रहे है "और, और, और" ये एक साथ बांध रहा है?)... *धरती* पर *की, और धरती पर की रेंगनेवाले सब जन्तुओं पर।*
>
> *तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार बनाया, अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उसको बनाया, नर और नारी करके उसने उन्हें बनाया* (दोनों पुरुष और स्त्री को)।
>
> *और परमेश्वर ने उन को आशीष दी* उसके सृष्टी करने के बाद, तब, *और... उन्हें कहा, फूलो–फलो, और* (और) *पृथ्वी में भर जाओ, और उसको अपने वश में कर लो:...*

52 जोड़ के बाद जोड़ जो... मनुष्य का फूलना–फलना होना है। *और,* फूलने–फलने के बाद, तब धरती को अपने वश में कर लो; यह बिल्कुल पूरी तरह से सह–शताब्दी में होता है। देखा? तो ठीक है, "धरती को वश में कर लो।" तो ठीक है:

> *... और समुद्र की मछलियों पर, और... आकाश के* पक्षियों *पर अधिकार रखो, और धरती पर रेंगने वाले हर एक जन्तुओ पर अधिकार रखो।*

53 अब, परमेश्वर ने मनुष्य को अपने ही स्वरूप में बनाया, रचा, वे (मनुष्य) सारी धरती पर अधिकार करें, इसे और सब कुछ अपने वश में कर ले, और वे ऐसा करें, और जल की मछलियों पर अधिकार करें... और वो हर एक चीज जो उसने बनायी। और उसके बाद हम उत्पत्ति 2:7 में देखते हैं... इस बात को सुनना। परमेश्वर के धरती को बनाने के बाद, उसने मनुष्य को बनाया, उसे धरती के ऊपर अधिकार को दे दिया, उसे वह सब कुछ दे दिया जो उसके पास था, और परमेश्वर ने उन्हें बनाया, उन्हें बताया कि... फलों फूलों और पृथ्वी भर में भर जाओ, इन सभी चीजों, और उन चीजों के सात और पदों के बाद जो उसने पूरी कीं थी, और आकाश और धरती पर की और हर एक चीज, "*और* प्रभु परमेश्वर ने मनुष्य को धरती की मिट्टी में से रचा।" "और!" यहाँ है ये ("और" *जोड़*) एक मनुष्य को बनाता है जिसे वह पहले ही बना चुका है। देखा? एक मनुष्य को बनाता है:

और... (उसके वाक्य को एक साथ जोड़ते हुए)... *परमेश्वर ने मनुष्य को धरती की मिट्टी में* से *बनाया, और उसके नथनों में जीवन का श्वास फूंक दिया* (श्वास)*; और मनुष्य एक जीवित प्राणी बन गया.*

54 अब, इस विषय में सोचे! उत्पत्ति 1:26 से 28 में उसके द्वारा मनुष्य (स्त्री और पुरुष) को बनाने के बाद, उसने मनुष्य को अपने ही स्वरूप में बनाया, उसे बनाया और उसे दिया... राज्यों को वश में कर दिया और उसे ये सारी सामर्थ और हर एक चीज को दे दिया, और फिर भी उसने अब तक मनुष्य को कभी नहीं बनाया था।

55 देखो, शैतान ने पहले ही हव्वा को बहका दिया था। यकीनन, आदम उसके पास गया था, लेकिन वह पहले से ही बहकाई गयी थी। क्योंकि ठीक यहाँ पर पीछे वो... जब वे... इससे पहले वे आते... जब वे न्याय में आते हैं, उसने कहा... और परमेश्वर ने उन्हें एक साथ लाया और कहा, "यह किसने किया? " उनसे इस प्रश्न को पूछा.

आदम ने कहा, "उस स्त्री ने जो आपने मुझे दी।"

और स्त्री ने कहा, "साँप ने मुझे बहकाया।"

56 और परमेश्वर ने उन पर श्राप डाला और इसी तरह से हर चीज़ पर। और *तब* आदम अपनी पत्नी के पास गया, देखो, जब वह पहले से ही बहकाई गयी थी और माँ बन चुकी थी। बिलकुल उसी प्रकार जैसे परमेश्वर ने मनुष्य को उत्पत्ति 1:26 में बनाया था और फिर भी वह अभी तक कभी आकार में नही बना था। देखा? तो ठीक है।

57 अब देखिए, आइए यहां आगे जायेंगे और इसे भी पढ़ेंगे:

और आदम ने अपनी पत्नी *को... हवा कहकर बुलाया; क्योंकि वह सभी जीवित चीजों की माता थी,* सारी... या *सारे जीवितो की माता।* उसे अपनी पत्नी कहा... उस स्त्री को पत्नी कहा क्योंकि वह... या स्त्री क्योंकि वह... सभी जीवित चीजों की।

और *प्रभु ने आदम और उसकी पत्नी के लिये भी...* चमड़े *के* अंगरखे *बना कर उन को पहिना दिए।*

58 अब, उत्पत्ति 1:21 में फिर से ध्यान दें, परमेश्वर ने समुद्र में व्हेल मछलियों को बनाया। उसने सब कुछ किया, और सृष्टि की रचना की,

मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाया। मनुष्य बनाया, ना ही "एक" मनुष्य, संपूर्ण मनुष्य, उन सब को उसके अपने ही स्वरूप में। देखा? और परमेश्वर ने अपने स्वरूप के अनुसार उन्हें बनाया; नर और नारी, दोनों को उसे उस तरह से बनाया।

59 और अब हम यहां फिर से देखते है, जब उसने मनुष्य को अपने ही स्वरूप में बनाया, फिर उसने नर और नारी करके उसकी सृष्टि करने के बाद, यहां मनुष्य को धरती की मिट्टी से बनाया।

60 और फिर, उसके ऐसा करने के बाद, उसके बाद उसने उसे नर और नारी करके बनाया, फिर वह यहां वापस आता है और उसके लिए एक स्त्री को बनाता है, जबकि वह उसे पहले ही बना चुका था। समझे?

61 देखिए, आपका संयोजन या जोड़ उस वाक्य को एक साथ बांध रहा है। बिल्कुल वैसा ही जैसा कि कहा गया था, अब, *यहाँ* पर, "परमेश्वर ने मनुष्य को अपने ही स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, अपनी समानता के अनुसार उसने उसे उत्पन्न किया," यह परमेश्वर अपने विचारों में, अपने मन में, जो कुछ उसके पास था, बोल रहा है। *यहीं* है जहाँ पर वो वास्तव में कार्य को कर चूका था।

62 यीशु जगत की बुनियाद डालने से पहले मारा गया मेम्ना था; उसे चार हजार वर्षों के बाद घात नहीं किया गया था। समझे?

63 सो साँप ने हव्वा को बहकाया था। ऐसा सचमुच में है। उसके बद जब न्याय हो गया, तब आदम अपनी पत्नी के पास गया। और फिर वह गर्भवती हुई और कैन नामक एक पुत्र को जन्म दिया। आपने इसे समझा? देखिए, संयोजन या जोड़ केवल वही कर रहा है जो आदम ने किया, न कि वह जो आदम से पहले किया गया था।

64 और यहां पर देखें, यदि आप उस महान कथन को यहां लागू करना चाहते हैं, मैं सोचता हूं कि हम इसे यहां पर पाते हैं... और यहाँ चौथे अध्याय में, मैं सोचता हूँ कि ऐसा है।

> *और आदम... उसकी पत्नी के पास गया; और वह गर्भवती हुई, और कैन को जन्म दिया, और* (एक जोड़) *कहा, मैंने प्रभु से एक पुरूष को पाया है।*

65 तब ये वास्तव में आदम नहीं था, ये परमेश्वर का पुत्र था। देखा? देखा? यदि आप अपने जोड़ को जहाँ रखना चाहते हैं, तो देखो ("और"

ये फिर से है), "मुझे परमेश्वर से एक पुरुष मिला है." फिर यह कहते हुए कि परमेश्वर उसे भेदभाव करने वाली चीज़ देता है जिसे कैन कहा गया। कैन के पास वो सारी दुष्टता और गन्दगी और जो चीज़ें थी इसका मुख्य स्त्रोत कहां से आया था, क्या परमेश्वर की ओर से? ऐसा नहीं हो सकता! देखा? वह सर्प के द्वारा बहकायी गयी थी... और सर्प... वो पहले ही मां बन चुकी थी। तब आदम उसके पास गया, निश्चय ही वो गया, वह जाकर और उसके साथ पत्नी के रूप में रहने लगा। लेकिन वह पहले ही इस बालक की मां बनने वाली थी।

66 और उसके बाद अंत में जब आदम का पुत्र जन्मा, तो वह आदम की तरह ही एक सभ्य, मधुर, नम्र, दीन व्यक्ति था।

67 लेकिन ये व्यक्ति, इसके पास वह शुद्ध झूठ कहां से आया, वह पाप कहां से आया? यह व्यक्ति, कैन, वह हत्यारा कहां से आया? और बाईबल ने ऐसा कहा कि "शैतान हत्यारा है।" वह झूठ कहां से आया? (शैतान झूठ का पिता है; वह एक झूठा है और झूठ का पिता है।) इसे परमेश्वर के बाहर किसी और स्त्रोत से आना था। तो कैन वो एक दुष्ट था, और उसका पिता शैतान था; और उस ने इस दुष्ट को उत्पन्न किया।

और फिर, निस्संदेह, आदम निश्चित रूप से अपनी पत्नी के पास गया था।

68 और, हाँ, हो सकता है, यदि आपने ऐसा कहा हो। मैं कह सकता हूं, अपने ऊपर लेते हुए, ठीक है, अब, रिबका का जन्म हुआ था, और थोड़ी देर बाद आकर...

69 मैं एक दिन जोसफ की कहानी को पढ़ रहा था और मैं जोसफ की कहानी पर बहुत उत्तेजित हुआ था। मैं मिनियापोलिस में एक छोटे से कमरे में गया और घुटनों पर आ गया, और मैंने कहा, "प्रभु परमेश्वर, मैं जोसफ जैसे मनुष्य के लिए आपको किस तरह से धन्यवाद दूं!" और मैंने सोचा, "यदि मैं... काश मैंने बिली पॉल का नाम लिया, 'जोसफ,' रखा होता उस महान उत्तम चरित्र के अनुसार।" बाईबल में कहीं भी उसके विरुद्ध एक भी दाग नहीं है, वह हर तरह से मसीह का सिद्ध नमूना है। सोचा, "मैं पसंद करूंगा... " मैंने कहा, "ओह, यदि मेरा कोई पुत्र होता, तो मैं उसका नाम रखता 'जोसफ।'"

70 और तभी वह प्रकाश इमारत में आकर मंडराने लगा और कहा, "तुम्हे एक पुत्र होगा और तू उसका नाम 'जोसफ' बुलाना।"

71 मैं पत्नी के पास गया, निश्चय ही, मेरी पत्नी से सारा उत्पन्न हुई। उसके बाद मैं अपनी पत्नी के पास गया *और* उसने जोसफ को जन्म दिया। देखा मैं क्या बताना चाहता हूँ? देखिए, इसका पहले से कोई लेना–देना नहीं था। परमेश्वर की प्रतिज्ञा थी "जोसेफ," सारा उसके बीच में आ गई। सारा को उस तरह की जाति में नहीं डाल रहा हूँ, लेकिन केवल आपको यह दिखाने के लिए कि मैं मेरा—मेरा क्या मतलब है। देखो, कि... सारा भी परमेश्वर के द्वारा भेजी गई थी। और सो हम यह जानते हैं।

72 अब, लेकिन, देखो. परमेश्वर, जब उसने आदम और हव्वा का न्याय सुनाया, उसके न्याय को सुनाने से पहले ही वह पाप कर चुकी थी। और, सुनना, क्या आपने कभी जाना कि दुनिया में पहला बालक जो जन्म था "वो पाप में जन्मा, अधर्म में आकार लिया, संसार में झूठ बोलते हुए आया"? सबसे पहला बालक जो कभी जन्मा था, वह इसी तरह से जन्मा था, क्योंकि...

73 आप कहेंगे, "आदम और हव्वा के बारे में क्या?" उनका जन्म नहीं हुआ था। उनकी सृष्टी की गयी थी। देखा?

74 लेकिन पहला बालक जो कभी आया वो पाप में जन्मा था, इसलिए इसे उसी पंक्ति में होना है। "जो पुरुष स्त्री से उत्पन्न होता है, वह थोड़े दिन का ही है और क्लेश से भरा हुआ होता है।" वो पाप में जन्मा है। यही कारण है कि उसे फिर से जन्म लेना होगा, देखिए, उस आत्मा के द्वारा; ना ही किसी आत्मिक *विचार* के द्वारा; आत्मिक जन्म के द्वारा, देखो, जो उसे फिर से उत्पन्न करता है, उसे एक नयी सृष्टी बनाता है। पहला मनुष्य जो जन्मा था वो पाप में जन्मा था।

75 उसके बाद, एक को बिना शारीरिक संबंध से आना था। अब, यदि यौन पहली चीज़ नहीं थी, तब पूरी मनुष्य जाति को छुटकारा देने के लिए यौन में उन्हें उस एक की आवश्यकता क्यों पड़ी? उसने वहां पर बस उस एक को क्यों नहीं मार्ग में लाकर और कहा, "यहाँ है वो केवल एक ही है जो सही *सोचता* है"? इसे यौन के जरिये से आना था, स्त्री के जरिये से आना था, क्योंकि यही है जहाँ ये पहले स्थान में आया। यौन के जरिये से, अधर्मता को लाया; और यौन के जरिये से, धार्मिकता को लाया। देखा?

परमेश्वर, बिना व्यभिचार के, बिना यौन इच्छा के, बेदाग गर्भाधान के द्वारा यीशु मसीह को जन्म दिया, मरियम पर छाया करते हुए और उसमें इस बालक की रचना करके; जो यौन के द्वारा आता है। और, उसके जरिये से, उसके पवित्र लहू ने सारी गिरी हुई जाति को छुटकारा दिलाया। देखा? तो ऐसा होना ही है, इसके लिए कोई अन्य मार्ग नहीं है।

76 हर एक मनुष्य जो स्त्री से जन्मा है, मृत्यु से बंधा हुआ है, जब वो जन्म लेता है वो मरा हुआ है। यह सही है।

77 यही कारण है कि मैं उस दिन बात कर रहा था कि अब हमारे पास वो धन्य भरोसा है।

78 जब इस्राएल... ये ऐसा नहीं... मैं बहुत सी बातें बोलता हूं जिनका इससे कोई वास्ता नहीं होता है, लेकिन कभी–कभी प्रभु मुझे कुछ तो देता हैं और यह मुझे उत्तेजित कर देता है। इसलिए जब उसने मुझे इसे दिया, तो इसने मुझे इतने वर्षों में अब तक की किसी भी चीज़ से अधिक उत्तेजित किया है। जब उस ने उस दिन मुझे इसे दिया, जब मैंने इस्राएल को देखा, एक गुलाम, परमेश्वर की सन्तान, कोई घर नहीं था। फफूंद लगी रोटी डालते, वे जो कुछ भी चाहते! ओह, यदि उनके पास एक घर होता जहां वे शांति से रह सकते, अपने माथे के पसीने से उसकी जीविका के लिए कमा सकते!

79 और, एक दिन, जंगल में से एक भविष्यवक्ता आता है, अग्नि के स्तंभ के नेतृत्व में, और उन्हें प्रतिज्ञा किये गए देश के बारे में बताता है। वहाँ कभी कोई भी नहीं गया था, वे इसके बारे में कुछ भी नहीं जानते थे। लेकिन यह एक प्रतिज्ञा थी। इस पर उन्होंने विश्वास किया और इस भविष्यव्यक्ता के पीछे–पीछे चलते रहे जब तक कि वे प्रतिज्ञा किए गए देश के निकट नहीं पहुंच गए।

80 उसके बाद वहां *यहोशू* नामक एक गवाह होता है, जिसका अर्थ है "यहोवा–उद्धारकर्ता," यर्दन को पार करके और उस देश में जाता है, और इस प्रमाण के साथ वापस लौटता है कि वह देश बिल्कुल वैसा ही था जैसा उस भविष्यव्यक्ता ने कहा जो परमेश्वर के वचन के अनुसार था। उनके पास अंगूरों का एक गुच्छा था, जिसे दो लोगों के द्वारा ढोकर लाया गया, और वे देश के मूल फल का स्वाद ले सकते थे। किसी को नहीं पता था कि देश वहाँ पर था, उन्होंने तो बस इस पर विश्वास किया। वे विश्वास के द्वारा चले और इस पर विश्वास किया।

81 अब जब उन्होंने उनके देश को विरासत में पाया, तो वे कितने प्रसन्न थे! हर एक जन शांति से रह सकता है, उसके पास अपना छोटा बगीचा हो सकता है, उसके पास उसके बालक और हर एक चीज हो सकती है। लेकिन, फिर भी, अंत में बुढ़ापा उस पर आ जाता है, और मृत्यु उसे घेर लेती है और उसे ले लेती है।

82 उसके बाद स्वर्ग के गलियारे से, एक स्त्री के जरिये से, एक और महान योद्धा आया, उन सभी में सबसे महान, परमेश्वर ने अपने आप को शरीर में प्रकट किया, जो यीशु मसीह है। और उस ने इस्राएल को बताया कि वे क्या ही महान लोग थे, लेकिन मृत्यु उनके साम्हने थी, उसने कहा, "लेकिन मैं तुम्हें दूसरे देश के बारे में बता रहा हूं। मेरे पिता के घर में बहुत से भवन हैं। यदि ऐसा नहीं होता था तो मैं तुम्हें बता देता। तुम अपने देश में खुश हो, तुम्हारे पास अपने घर हैं, तुम्हारे पास तुम्हारी संतान हैं। लेकिन तुम हर एक को वहीं पर दफना देते हो और ऐसा दिखाई देता है कि इसका अंत होगा।"

83 अय्यूब ने इसे देखा, और कहा, "यदि कोई पेड़ मरता है, तो वह फिर से जीवित हो जाता है। लेकिन मनुष्य नीचे जाता है और आत्मा को छोड़ देता है, वह कहां पर है? उसके पुत्र उसका सम्मान करने आते हैं और उसे इसका एहसास भी नहीं होता। ओह, यदि तू मुझे कब्र में छिपा दे, और जब तक तेरा क्रोध शान्त न हो जाये, तब तक मुझे गुप्त स्थान में बनाये रखना!" उसने कहा, "यदि कोई मनुष्य मर जाए तो क्या वह फिर जीवित होगा? "

84 उससे चार हज़ार वर्ष पहले, उन्होंने उस कब्र से भी परे किसी बात के लिए देखा। परमेश्वर ने उन्हें सभी बडी–बड़ी चीजों को दिया, एक घर, एक परिवार और बच्चे, और एक कलीसिया, और सब कुछ, और भविष्यवक्ता, और इस समय तक के महान मनुष्य, लेकिन फिर भी हर एक जन मर गया और अपनी कब्र में चला गया। लेकिन यहाँ पर एक आता है और कहता है, "मेरे पिता के घर में बहुत से भवन हैं, और मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूंगा।" जैसे यहोशू, वो उसके कादेश बर्ने पर गया।

85 जब इस्राएल कादेश बर्ने में आया... और कादेश उस समय पर संसार का न्याय आसन था, एक बड़े प्रमुख झरने से सात झरने, जिसका अर्थ है न्याय, जैसे की परमेश्वर का घर और उसमें से बाहर निकलने वाली

कलीसियायें। और यहोशू, कादेश बर्ने से, प्रमाण को वापस लाने के लिए प्रतिज्ञा किए गए देश में चला गया।

86 अब, यीशु उसके *कादेश* पर पहुंचा। यह क्या था? न्याय का आसन! यह कहां पर था? क्रूस पर, जहां परमेश्वर ने संसार के पापों के लिए उसका न्याय किया। उन्होंने क्या किया? उसे मृत्यु मिली, जो परमेश्वर की भरपाई थी। पापियों को परमेश्वर से मेल–मिलाप के लिए, उसने मृत्यु को प्राप्त किया और यर्दन (मृत्यु की) नदी को पार किया। उन्होंने उसे दफनाया।

87 वो मरा इतना तक चाँद और तारे खुद पर शर्मिंदा हो गए। वह मरा इतना तक कि धरती परेशान होकर टूट गयी थी। ये हिल उठी इतना तक चट्टानें पहाड़ों से तड़क कर बाहर निकल आईं। ये हिल उठी इतना तक तारे नहीं चमके, चंद्रमा नहीं चमका और दिन के बीच में ही सूरज डूब गया। वो मर गया! इस तरह से मरा इतना तक कि एक रोमन ने दस पाउंड का भाला लिया और उसे पूरी तरह से उसके ह्रदय में भोंक दिया; पानी और लहू आ गया। वह मरा हुआ था! उसने यर्दन को पार किया। और उन्होंने उसे कब्र में डाल दिया और इसके सामने एक—एक चट्टान को लुढ़का दिया, ऐसा करने में सैनिक पुरुषों की आवश्यकता पड़ी। वह मरा हुआ था! उन्होंने उस पर रोमन की मोहर लगा दी।

88 लेकिन ईस्टर की सुबह को वो यर्दन के पार से वापस आ गया, और कहा, "मैं वही हूं जो मर गया था; और फिर से हमेशा के लिए जीवित हूं!"

उनमें से कुछ ने कहा, "हम एक आत्मा को देखते हैं।"

89 कहा, "मुझे महसूस करो। क्या किसी आत्मा के पास मेरी तरह मांस और हड्डियाँ होती हैं?" कहा, "क्या तुम्हारे पास खाने के लिए कुछ है? मेरे लिए कुछ लाओ।" और वे उसे मछली और रोटी देते हैं। और वो इसे खाता है। वह एक मनुष्य था!

90 वह क्या था? इस बात के प्रमाण को वापस लाना था कि वहाँ एक देश है जहाँ पर हम जा रहे हैं। उसने क्या किया? वह, यहोशू के जैसे, इसके प्रमाण को लाया। उसने कहा, "अब, यदि तुम इसके प्रमाण को चाहते हो, 'पश्चाताप करो, तुममें से हर एक जन, और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बप्तिस्मा लो, और तुम पवित्र आत्मा को पाओगे।' यही वो प्रमाण है जिसने मुझे ऊपर लाया। मैं तुम्हें तुम्हारी विरासत का बयाना

दूँगा।" और फिर क्या हुआ? पेंटीकोस्ट के दिन पर पवित्र आत्मा विश्वासी लोगों के ऊपर उतर आया।

91 अब हम क्या करें? अपने पापों को अंगीकार करें, अपने आप को मरा हुआ मानते हुए, बपतिस्मा में उसके साथ दफनाये गये, उसके पुनरुत्थान में उसके साथ जी उठे। अब क्या? "उसके साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए है।" जहाँ पर आज रात हम हैं, बैठे हुए है (शारीरिक रूप से नहीं) आत्मिक रूप से, हमारे मन, हमारे विचार, हमारे प्राण ठीक इस समय पर दुनिया की चिंताओं से बहुत ही परे हैं। हम क्या हैं? "मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों *में*।" हम इसके अंदर कैसे प्रवेश करें? "एक आत्मा के द्वारा," पहला कुरिन्थियों, 12वां अध्याय, "एक आत्मा के द्वारा हम सभी ने विश्वासियों के एक देह में पवित्र आत्मा के द्वारा बपतिस्मा पाया है।" परमेश्वर का रहस्यमयी राज्य!

92 वहाँ पर हम पीछे मुड़कर देखते हैं और देखते हैं कि हम जहाँ पर झूठ बोला करते थे, चोरी किया करते थे, धोखा देते थे, धूम्रपान करते थे और गलत काम किया करते थे। हम उससे ऊपर आ गये है। हम स्वर्गीय स्थानों में हैं। यह क्या है? इस बात का प्रमाण कि किसी दिन हमारे पास उसके अपने महिमामय शरीर के जैसा शरीर होगा। यह पुनरुत्थान का बिल्कुल ठीक–ठीक प्रमाण है, क्योंकि, सशक्त रूप से, हम पहले ही उसके साथ ऊपर आ चुके हैं, सशक्त रूप से हम पहले ही मर चुके हैं।

93 विलियम ब्रंहम जो पहले जीया करता था अब और नहीं जीता है, उसे मरे हुए लगभग तीस वर्ष हो गए हैं, अब ये एक नयी सृष्टी है। ऑरमन नेविल जो पहले जीया करता था अब और नहीं जीता है, वो उससे कई वर्ष पहले मर चूका है, यह एक नयी सृष्टी है। ऑरमन नेविल मर गया, वो—वो घोडो पर दांव लगाने वाला, जुआरी, या जो कुछ भी वो था, वह मनुष्य जो एक समय जीवित था वह मर चूका है। मैं नहीं जानता, भाई नेविल वो नहीं थे; लेकिन ये जो कुछ भी था, वो इस सब का दोषी है, "छोटे से छोटी बात का दोषी संपूर्ण बात का दोषी होता है।" आप हमेशा से जो भी थे, आप एक पापी हो, वही तो आप हो।

94 और आप मरे हुए है क्योंकि आप संसार की चीजों से प्रेम करते है। और जब तक आप दुनिया से अब भी प्रेम करते हैं, चाहे आप *यहां* आकर कितना भी अंगीकार कर लें, आप यहाँ ऊपर नहीं हैं, आप अब भी *वहाँ*

नीचे हैं। "जो संसार या संसार की चीजों से प्रेम रखता है, उस में अब तक परमेश्वर का प्रेम प्रवेश नहीं हुआ है।"

95 लेकिन जब आप उस से ऊपर उठकर स्वर्गीय चीजों की ओर बढ़ते है, तब अपनी प्रीति ऊपर की वस्तुओं पर लगाये, क्योंकि आप मसीह के साथ जी उठे हैं और अब स्वर्गीय स्थानों में एक साथ बैठे हैं। बस निश्चिंत रहें, कोई भी चीज आपको हानि नहीं पहुंचा सकती। यहाँ तक कि स्वयं मृत्यु भी नहीं... आपका कुछ नहीं कर सकती। आप पहले से ही मसीह में स्थिर हो चुके हैं। वो आश्वासन, वो बयाना, वो अग्रिम भुगतान को पहले ही लाया जा चूका है, आपने इसे स्वीकार किया है। आपने क्या किया? पुनरुत्थान में उसके साथ जी उठते है।

96 पीछे मुड़कर देखता हूं जहां मैं एक समय पर था। अब मैं उससे ऊपर हूं। क्यों? उसके अनुग्रह के द्वारा उसने मुझे ऊपर उठाया, और अब मैं मसीह में स्वर्गीय स्थानों में बैठा हूँ। ओह, प्रभु! वहां आप हैं। तब बाईबल एक नई किताब बन जाती है। फिर आप इसे आत्मिक आँखों और आत्मिक समझ में से होते हुए पढ़ते हैं। उसके बाद आप संज्ञा और सर्वनाम को देखते है, और उसके बाद आप जंक्शन को देखते हैं... और मेरा मतलब है, जोड़ और इत्यादि को बाईबल में देखते है।

97 ओह, जहाँ ये कहता है... वे कहते हैं, "यह स्वयं का विरोध करती है"; आप *यहाँ* नीचे पढ़ते हैं। *यहां* ऊपर जाकर और इसे पढ़ें, तब यह सब भिन्न होता है। आपने देखा? यह सही है। निश्चय ही। निश्चित रूप से, जब आप इसे आत्मा में पढ़ते हैं तो इसका अर्थ पूरी तरह से नया होता है। जी हाँ।

यह दूसरा प्रश्न वास्तव में कोई प्रश्न नहीं है, यह बस इतना कहता है:

172. मैं कई वर्षों तक पाप में जीया जब तक मैंने प्रभु को नहीं पा लिया। कृपया, भाई ब्रंहम, मैंने फिर से पाप किया है और मैं इस पवित्र स्थान पर आपके सामने आने के योग्य नहीं हूं। कृपया मुझे बताएं कि क्या मुझे फिर से पूरी तरह से वापस लौटाया जा सकता है। कृपया मेरी सहायता करें, भाई ब्रंहम, मुझमें एक शैतान है। मेरी सहायता करे! क्या आप मुझ पर हाथ रख कर और मुझे फिर से वापस लौटाएंगे?

98 अब, यह एक प्रश्न है, जब मैंने इसे कुछ समय पहले पढ़ा था तो मैंने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया था। यह एक प्रश्न है। अब, यदि वो व्यक्ति मौजूद है... मैं अब इसे आपके लिए पढ़ता हूं:

> **मैं कई—मैं कई वर्षों तक पाप में जीया जब तक मैंने प्रभु को नहीं पा लिया। कृपया, भाई ब्रंहम...** (देखा?) **... मैंने फिर से पाप किया है और मैं इस पवित्र स्थान पर आपके सामने आने के योग्य नहीं हूं। कृपया मुझे बताएं कि क्या मुझे फिर से पूरी तरह से वापस लौटाया जा सकता है।**

99 जी हाँ! मेरे मित्र, आपने अब तक परमेश्वर के लिए कोई पाप नहीं किया है, लेकिन क्या आपको वापस लौटाया जा सकता है। यदि आपने अब तक पाप किया है कि आपको लौटाया नहीं जा सकता, तो आप कभी भी वापस लौटाए नहीं जाना *चाहेंगे*। देखा? समझे? लेकिन जब तक वहां आपके हृदय के साथ कोई तो व्यवहार कर रहा है, आप अभी भी वापस लौटाए जाने की पंक्ति में होते हैं।

100 "छोटे से छोटा दोष संपूर्ण का दोषी होता है।" मैंने बहुत बार पाप किया है, हर दिन हममें से हर कोई ऐसे को काम करता है जो हम नहीं करना चाहते।

101 यह हमारे ह्रदय में है... आप ऐसा नहीं बनना चाहते नहीं तो आप यह प्रश्न नहीं पूछते। देखा? यह स्वयं इस बात का प्रमाण है कि परमेश्वर अभी भी आपके साथ व्यवहार कर रहा है। आप शायद घबरा गए हैं, हो सकता है शैतान आपसे कह रहा है कि आप वापस लौटाए नहीं जा सकते। वह झूठ बोल रहा है, निश्चित रूप से, वह झूठ बोल रहा है। क्योंकि, देखो, यदि कोई गहराई है, जो पुकार रही है, तो वहां पुकार का उत्तर देने के लिए एक गहराई को होना ही है। यदि वहां किसी चीज़ के लिए भूख है, तो वह चीज़ कहीं न कहीं अवश्य होगी या तो आपके पास उसके लिए कोई भूख नहीं होगी। देखा?

102 जैसा कि मैंने यह बहुत बार कहा है। इससे पहले कि मछली की पीठ पर उसके तैरने के लिए एक पंख जैसा भाग हो, तो वहां पहले पानी को होना था अन्यथा उसके पास कोई पंख जैसा भाग नहीं होगा। इससे पहले कि धरती पर कोई पेड़ उगे, तो पेड़ के होने से पहले धरती का होना ज़रूरी था, क्योंकि पेड़ के बढ़ने के लिए सबसे पहले धरती का होना ज़रूरी था।

103 अब, इससे पहले कि कोई सृष्टि हो सके, सृष्टि को बनाने के लिए एक सृष्टिकर्ता का होना ही है। देखा मेरा क्या मतलब है? अब, जब तक आप इच्छा को रखते है और परमेश्वर के पास वापस जाने की भूख को रखते हैं, कहीं कोई तो एक परमेश्वर है जो आपको बुला रहा है, देखो, नहीं तो तुम्हें भूख नहीं लगती। वहाँ एक सृष्टिकर्ता है!

104 अब, यदि आप... एक ऐसी जगह है जिसे आप पार कर सकते हैं जहाँ से आप वापस नहीं आ सकते, लेकिन जब ऐसा होता है तो आप फिर से उसी आकार में आ जाते हैं जैसे आप थे। ये दिखाता कि आप केवल उस अनुग्रह से *गिरे* हैं। पीछे हटना ये *नष्ट* होना नहीं है। मैं चाहता हूं कि कोई मुझे बताए कि पीछे हटे हुए कहां *नष्ट* हुए है, और इसे बाईबल में साबित करें। पीछे हटना ये नष्ट होना नहीं है, वो तो केवल संगति से बाहर हुआ है।

105 इस्राएल पीछे हट गया लेकिन उन्होंने अपनी वाचा को कभी नहीं खोया, उन्होंने उनकी—उनकी प्रशंसा और आनंद को खोया।

106 जब दाऊद ने ऊरिय्याह की पत्नी बतशेबा को लिया, तो उसने अपने उद्धार के आनंद को खो दिया, लेकिन उसने अपना उद्धार कभी भी नहीं खोया। उसने कभी नहीं कहा "मुझे मेरा उद्धार लौटा दो," कहा, "मेरे उद्धार का *आनन्द* मुझे लौटा दो।"

107 ओह, आज ऐसे नियमवादी बहुत ज़्यादा है "छुना नही, चखना नहीं।" आप नियम के तौर पर कामों को ना करें।

108 मैं आज रात नियम के तौर पर इस कलीसिया में नहीं आया। मैं थका हुआ महसूस करता हूं, मैं—मैं—मैं बैचेन होता हूँ, मैं परेशान हो जाता हूँ, मैं उस चीज़ के बारे में सोचता हूँ जो वहां मेरे सामने होती है, मेरा ह्रदय जलता है, इतना तक कि मेरी ह्रदय की धड़कन बढ़ जाती है। मुझे ऐंठन, दर्द होता है, ठीक इस समय पर, बस बहुत ही तेजी से आगे–पीछे, ऊपर और नीचे और नीचे *यहाँ* से होते हुए। कमज़ोरी, घबराहट, कंपकपी; *यहाँ* जकड़न होती है और निचोड़ जाता हूं; मेरे पैर की उँगलियाँ मेरे जूतों में ऐंठने लगती है। मैं कैसा भी महसूस किया लेकिन यहां पर आ गया। तब, मैं क्यों आया? क्योंकि मैं परमेश्वर से प्रेम करता हूँ। जीयूं या मरूं, मुझे अवश्य ही उसके लिए यहां खड़ा होना होगा। ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि मुझे ऐसा करना है। वो इस विषय परवाह नहीं करेगा कि मैंने किया या नहीं। मैं... यदि मैं मर जाऊं तो मैं जैसे तैसे स्वर्ग जाऊंगा। लेकिन मैं आ रहा हूं

क्योंकि मैं उससे प्रेम करता हूं। आप परमेश्वर की सेवा इसलिए करते हैं क्योंकि आप उससे प्रेम करते हैं, ना ही इसलिए कि आपको यह बस करना ही है। क्योंकि आप उससे बहुत ही प्रेम करते हैं!

109 मैं अपनी पत्नी के प्रति सच्चा नहीं हूं क्योंकि मुझे डर है कि वह मुझे तलाक दे देगी। मैं उसके प्रति सच्चा हूं क्योंकि मैं उससे प्रेम करता हूं। उसके अलावा दुनिया में कोई दूसरी महिला नहीं है। यही कारण है कि मैं उसके प्रति सच्चा हूं। ना ही इसलिए... यदि मैंने कोई गलती की है और उन्होंने सोचा कि मैंने कुछ गलत किया है, तो उसके पास आकर, कहता हूं, "मेडा, प्रिय, मेरा ऐसा करने का इरादा नहीं था।" वह मुझे इसके लिए क्षमा कर देगी, मैं जानता हूं वह ऐसा करेगी। मैं उसे क्षमा कर दूंगा; मैं उससे प्रेम करता हूं। लेकिन मैं—मैं उसे क्षमा कर दूंगा; वह मुझे क्षमा कर देगी। लेकिन मैं इसे ऐसे ही नहीं करूंगा, ऐसा करने के लिए मैं उससे बहुत प्रेम करता हूं। ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि मैंने ये नहीं सोचा था कि वह मुझे क्षमा कर देगी, यह वो धारणा है कि मैं उससे बहुत प्रेम करता हूँ पहले स्थान में इसे करने के लिए। और जब तक मैं उससे ऐसा प्रेम करता हूँ, मैं ऐसा कभी भी नहीं करूँगा; और यदि वह मुझसे उस तरह प्रेम करती है जैसा उसे करना चाहिए, तो वह भी नहीं करेगी।

110 और आप प्रभु से पूरे ह्रदय से प्रेम करते हैं, आपको इन चीज़ों के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। यदि आप कोई गलती करते हैं, तो आप जानबूझकर पाप नहीं करते हैं, आपने बस कुछ तो गलत किया है। देखो, आप वापस पीछे चले गये है। सच है, आप यहाँ पर संगति में थे, आप फिर से यहाँ इस गंदगी में वापस आ गए हैं।

111 लेकिन यह क्या है? यह बिलकुल एक—एक उकाब के तरह ही है। एक बार मैंने देखा... यहाँ सिनसिनाटी चिड़ियाघर में, मैं सारा को लेकर गया था और वहाँ नीचे जा रहे थे। यदि मैंने किसी भी चीज को देखा है जिससे मुझे दुख हुआ, तो वह है किसी चीज को पिंजरे में बंद देखना।

112 मैं पिंजरे में बंद किसी भी चीज को नहीं देख सकता, यहां तक कि छोटे–छोटे पक्षियों को भी नहीं। और मैं जानता हूं कि आप महिलाओं के पास छोटे–छोटे पक्षी हैं, आप उन्हें बाहर निकाल दें।

113 जब मैं छोटा सा एक लड़का था तो मैं कहा करता था, "यदि कभी मुझे मौका मिलेगा, जब मैं एक पुरुष बन जाऊंगा, मैं हर घर में घुस जाऊंगा

और उन बेचारे छोटे–छोटे पक्षियों को आजाद कर दूंगा।" जी हां, श्रीमान। मैंने कहा... वहाँ तेज़ धूप में बैठे हुए, और वे लोग कहते, "हा, हा, हा," और महिला पीछे बरामदे में कहीं तो सिगरेट को पी रही होती, और वह बेचारी छोटी सी चिड़िया वहाँ बैठी हुई जल रही होती थी। वह पक्षी इसके विषय में कुछ नहीं कर सकता, उसे बस वहीं पर बैठना होगा। और उसने उस बात के लिए जन्म नहीं लिया था! मैंने सोचा, "लड़के, यदि मैं वहाँ चुपके से पहुँच कर और उसे बाहर निकाल सकूं, तो वह पक्षी वहां बहुत समय तक नहीं रह पायेगा।" देखा?

114 मुझे किसी को भी पिंजरे में बन्द देखने से नफरत है। मुझे यह देखने से नफरत है कि एक मनुष्य जो खुद को *मसीही* कहता है और फिर किसी तरह के कलीसिया के मत सिद्धांत के पिंजरे के साथ बन्द होता है, "मैं 'आमीन' नहीं कह सकता। मैं—मैं *उस* पर विश्वास नहीं कर सकता। पास्टर कहता हैं, 'इस पर विश्वास मत करो।'" ओह, प्रभु! आप स्वतंत्र जन्मे हैं।

115 तो फिर एक बड़े उकाब के बारे में क्या है? वह एक स्वर्गीय पक्षी है। वह बादलों के भी बहुत ऊपर रहता है। यही है जहाँ वो एक सुबह को जाता है। इतनी ऊँचाई पर कि कोई भी और पक्षी उसका पीछा नहीं कर सकता! दूसरा कोई पक्षी नहीं... यदि उसने उसका पीछा करने की कोशिश की तो वह हवा में चूर–चूर हो जाएगा। उकाब एक विशेष तरह का बना हुआ पक्षी है।

116 और फिर किसी ने उसे मनुष्य के बनाये जाल में पकड़ लिया था, उसने इस बड़े उकाब को पकड़ लिया था और इस पिंजरे में डाल दिया था। और बेचारा पुराना पक्षी... मैंने उसकी ओर देखा और मेरा ह्रदय जल उठा। उसने उस ओर *इस* तरह से देखा और उसे नहीं पता था कि उस पिंजरे से कैसे बाहर निकला जाए। वह बस वहां उस ओर पहुंच जाए, और वह—वह जानता था कि वह कैसे उड़ान भरना है, और वह अपने पंख को फड़फड़ाना शुरू कर देगा। और यहाँ वो जाता है, वह अपने सिर को सलाखों से टकराता है और उसकी बांह के पंख को चोंच मारता है, यहाँ परों के पंख को, यहां तक कि उसके पूरे सिर पर मारता इतना तक कि उससे लहू बहने लगा था। वो उस सलाखों को इतनी ज़ोर से मारा कि वह उसकी पीठ पर नीचे गिर पड़ा। और वह वहीं पड़ा रहा और थकी हुई

आँखों को घुमाता, उस आकाश की ओर देखता, "यही है जहां से मैं ताल्लुक रखता हूं। वहाँ मेरा घर है। यहीं है जहां के लिए मेरा जन्म हुआ है। लेकिन, देखो, मेरे और वहां के बीच में एक पिंजरा है। खैर, केवल एक चीज जो मैं जानता हूं, मैंने उस पर अपने मन को लगाया है और यहां मैं आया," और "धडाम," वह सीधा फिर से वापस जाता है।

117 मैंने सोचा, "ओह, प्रभु, क्या यह भयानक नहीं है! मैं सोचता हूं काश वे उसे मुझे बेच दें। मैं उसे खरीदने के लिए अपनी फोर्ड गाडी को गिरवी रख दूंगा, देखो, केवल उसे आजाद करने के लिए।" देखा? ओह, इससे मुझे बहुत बुरा लगा, वह वहां पर बेचारा बड़ा पक्षी, पंख को मार रहा है... मैंने सोचा, "यह सबसे भयानक दृश्य है जो मैंने कभी देखा है।"

118 नहीं, मैं इसे वापस बोलता हूं, यह सबसे भयानक दृश्य जो मैंने कभी देखा है एक मनुष्य है जो परमेश्वर का पुत्र बनने के लिए जन्मा है और फिर उसे किसी मत सिद्धांत के पिंजरे में डाल दिया जाता है। और वह वहाँ ऊपर की ओर देखता है और देखता है एक परमेश्वर जिसकी वह वास्तव में सेवा करना चाहता है, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकता। वे उसे ऐसा नहीं करने देंगे, देखो, पिंजरे में कैद है। यह एक भयानक बात है।

119 जी हाँ, जी हाँ, बहन, भाई, जिसने भी यह लिखा है, यदि आप *यहाँ* गिर जाते हैं तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप नाश हुए है। आप बस एक उकाब हो जो पिंजरे में चले गये हो, बस इतना ही। आप यहाँ फिर से पाप में बंद हो गये हो। आप वहां नहीं रहना चाहते, यही कारण है कि आप ऊपर की ओर देख रहे हैं। वहां आप हैं, "ओह, भाई ब्रंहम, मैं एक बार वहाँ रहता था, क्या यहाँ कोई रास्ता है?" जी हाँ।

120 मुझे याद आता है एक दिन (ओह, एक छोटा सा लड़का) मैं खेत के पीछे घूम रहा था, और वहाँ पर... किसी ने उसे दाने को खाने से दूर रखने के लिए एक पुराने कौवे को बाँध दिया था। और वह बेचारा बस भूखा मरने पर ही था। मैं इतना बुरा नहीं हो सकता कि ऐसा करूं। उसने पुराने कौवे को पैर से बांध दिया, और उस पक्षी ने आस–पास जो कुछ भी था उसे खा लिया, उसे खाने के लिए और कुछ नहीं मिला। किसान ने उसे ऐसे ही छोड़ दिया। और वह इतना बेचारा हो गया था कि वह—वह यहाँ तक उठ भी नहीं सकता था। बस वो... और कौवे वहां ऊपर उड़ते और कहते, "काँव, काँव, काँव।" दूसरे शब्दों में कहते, "चलो उठो, जॉनी कौवे! सर्दी

का समय आ रहा है, आओ दक्षिण को चलें!" लेकिन इसे ऐसा नहीं कर सका, वह बंधा हुआ था।

121 तो एक दिन कोई तो एक व्यक्ति आया और उसने उस बेचारे उस पुराने कौवे को देखा, तो वह उसके पास गया और उसे पकड़कर और उसे खोल दिया, और कहा, "आगे बढ़ो, लड़के, तुम आजाद हो।" देखा? और सो तब, पहली बात जो आप जानते हैं, वो वहीं पर इधर–उधर घूमता रहा।

122 यहाँ ऊपर कौवे आते हैं, चिल्लाते हुए, "चलो, जॉनी कौवे! काँव, काँव, काँव! चलो दक्षिण को चलें, सर्दियाँ आ रही है। तुम जम कर मर जाओगे।"

123 यदि वह पीछे मुड़कर देख पाता, कहता, "मैं इसे नहीं कर सकता।" देखो, वह बंधे रहने का इतना आदी हो गया था, देखो, उसने सोचा कि वह अभी भी बंधा हुआ है।

124 आप सोच सकते हैं कि आप भी बंधे हुए हैं, भाई, बहन, जिसने यह प्रश्न लिखा है। आप सोच सकते हैं कि शैतान ने आपको वहाँ बाँध कर रखा है, लेकिन वह झूठ बोल रहा है। एक समय एक मनुष्य धरती पर आया, यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र, उसने आपके बंधन को खोल दिया। क्या आप इसे विश्वास नहीं करते; आपको वहां रुके रहने की ज़रूरत नहीं है, नहीं, श्रीमान, आप आजाद हैं। यह सही है। वह आपके पापों को दूर करने के लिए आपके स्थान पर मर गया। आप केवल उस पर विश्वास करें, अपने पंखों को फड़फड़ाएं और उन बाकी के साथ उड़ जाएं। शैतान के उस गड्ढे में बने मत रहो। नहीं, श्रीमान।

अब। **क्या आप मुझ पर हाथ रखकर और मुझे उससे आजाद करेंगे?**

125 प्रिय बहन या प्रिय भाई, निश्चित रूप से, मैं आप पर हाथ रखूंगा, लेकिन यह आपको आजाद नहीं करेगा। आपको क्या बात आजाद करेगी, आपको... यह समझना है कि आप पहले से ही आजाद हैं। आप पहले से ही बंधनमुक्त हैं। आपको आज़ाद होने के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, आप पहले से ही आज़ाद हैं! यीशु ने आपको आजाद किया है। फिर से दासत्व के बंधन में न फंसें। आप आजाद है जितना आप हो सकते हैं। आपको उलझने की जरूरत नहीं है। आप पर हाथ रखना तो बस एक रिवाज़ है। हम ऐसा कर सकते हैं। यह, क्योंकि, मैं ऐसा कर सकता हूं, लेकिन इससे आप फिर भी आज़ाद नहीं होंगे जब तक कि आप स्वीकार

नहीं करते कि उसने आपके लिए क्या किया है; यह तो बस मैं हूं जो कह रहा हूं "प्रभु, मैं इस पर विश्वास करता हूं।"

126 तो ठीक है, आप बस उस पर विश्वास करके अपने हाथ रखते है, कहते है, "प्रभु, मैं इस पर विश्वास करता हूँ," आप ऊपर आ जाते है। यह सही है, अपने पापों को स्वीकार करे। देखो, "वो जो अपने पापों को छिपाता है, वह सफल नहीं होता, वह अपने पापों को ढांकता है। लेकिन वह जो अपने पापों को स्वीकार करता... " वहां पर आप आज़ादी और धर्मिकरण को पाते है, जब आप कहने को इच्छा रखते हों "मैंने पाप किया है, मैं ग़लत हूँ।" यही है जो आपने यहां कहा है:

> **मैं गिर गया हूं, मैं पापी हूं. मैं बिल्कुल गलत हूँ! क्या मेरे लिए फिर से चंगा होने का कोई मौका है?**

127 बिल्कुल है! जिस क्षण आप इसकी इच्छा करते हैं, यह दर्शाता है कि परमेश्वर ने आपको ऊपर खींचने के लिए जीवन रेखा को नीचे डाला है। बस उसके विश्वास और प्रार्थना की जीवन रेखा पर ऊपर उठें, ठीक उसी तरह बाकी के उकाबों की ओर ऊपर बढ़ें, पंखों को फडफडाते हुए चले जायें। यह सही है।

128 हाँ, हाथ को रखना, यही—यह बहुत अच्छी बात है, मैं इस पर विश्वास करता हूं। मैं हाथ को रखने पर विश्वास करता हूं, मैं निश्चित रूप से ऐसा करता हूं। लेकिन यह वो नहीं है जो इसे करता है। मैं सप्ताह दर सप्ताह लोगों के ऊपर हाथ को रख सकता हूं, और फिर भी इससे कोई भला नहीं होगा जब तक कि आप स्वीकार न करें कि *मसीह* ने आपके लिए क्या किया है। यह तो केवल मेरी स्वीकृति है, हाथों को रखना। उन्होंने प्राचीनो पर हाथ को रखा। उन्होंने उन चीजों को किया, यह परमेश्वर के सामने उनकी स्वीकृति थी कि वे उस पर अपना विश्वास देते हैं, वे उस पर अपना भरोसा देते हैं। देखा? कभी–कभी, बस उन चीज़ों की तरह...

129 मुझे बहुत सी बार गलत समझा गया है। मुझे—मुझे... कल रात को। मैं विचारों के बीच लडखडा रहा हूं, और मैं—मैं नहीं जानता कि तब किस ओर मुड़ना है। मैं—मैं, स्वयं, मैं विचार के बीच में हूं, मुझे—मुझे नहीं पता कि क्या करूं। मैं आशा करता हूं कि यह केवल स्वाभाविक कलीसिया है, मेरा मतलब आत्मिक कलीसिया यहाँ पर बैठी हुई है, मैं नहीं समझता

कि वे इसे रिकॉर्ड कर रहे हैं इसलिए मैं बस वही कहूंगा जो मैं कहना चाहता हूं। वे...

130 मैं आपके साथ कुछ हृदय से हृदय की बात करना चाहता था, और मैं सोचता हूं कि मैं इसे कैसे भी ले लूंगा। मेरे पास यहाँ एक वचन के साथ कुछ लिखा हुआ था, चाहे... यदि मैंने इसे नहीं लिया होता, तो मैं *अंतिम समय के सुसमाचार प्रचार करने वाले* पर बोलने वाला था, अंत समय का सुसमाचार प्रचार करने वाले क्या है। हो सकता है मैं उसे किसी और दिन के लिए बचाकर रखूंगा। मैं हृदय से आपसे बात करना चाहता हूं, बस मेरे हृदय की गहराइयों से।

131 मैं विचारों के बीच में हूं, मुझे नहीं पता कि किस ओर मुड़ना है। मुझे आपकी प्रार्थना की जरूरत है। यहाँ, इन—इन चीज़ों पर यह छोटा सा अनुनय है, बस आपसे कुछ मिनट बात करने का अवसर ढूंढ रहा था। कुछ और भी मैं आपसे कहना चाहता हूँ, देखो। मैं महसूस करता है कि हम वास्तव में किसी चीज़ के नजदीक हैं। अब, मुझे गलत मत समझना, ऐसा मत करना। समझे?

132 एक दिन एक व्यक्ति मेरे पास आया और उसने मुझे बहुत ही बुरा महसूस कराया। मैंने सोचा, "निश्चित रूप से मैं शिक्षा देने में ढीला नहीं रहा हूं।" समझे? उसने कहा, "भाई ब्रंहम, लगभग इतने दिनों में, अगले पंद्रह, बीस दिनों में मेरा ऑपरेशन होना है।" कहा, "क्या आप सोचते है कि यीशु यहाँ पर होगा, मुझे यहाँ तक उस ऑपरेशन की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी? " समझे? आप देखिए, आप इसे गलत समझते हैं। ऐसा ना करे! देखिये, ऐसा ना करे। हो सकता है कि यीशु अगले पाँच हज़ार वर्षों तक न आएँ। मैं नहीं जानता। वह हो सकता है आज रात भी यहां पर हो। वह हो सकता है कल आ जाए। मैं नहीं जानता कि वह कब आ रहा है, कोई और भी नहीं जानता। सच कहूँ तो, वह स्वयं भी नहीं जानता। यही है जो उसने कहा था। किसी को नहीं पता।

133 लेकिन क्या आप जानते हैं कि पौलुस हर दिन उसके आने की प्रतीक्षा करता था? पतमुस टापू पर यूहन्ना ने सोचा कि वह इसे देखने के लिए जीवित रहेगा। निश्चय ही आइरेनियस ने उसके दिनों में सोचा था। उनमें से बाकी के सारे लोगों ने, पॉलीकार्प, संत मार्टिन, उन सारे युगों में से होते हुए। लूथर ने सोचा, "निश्चित रूप से ऐसा ही है!" वेस्ली ने कहा, "यही

वो समय है।" चार्ल्स फिन्नी, जॉन नॉक्स, केल्विन, स्पर्जन, उनमें से हर एक जन ने कहा, "यही वो समय है!" बिली संडे, आगे आज भी यहाँ पर, हर कोई सोचता है, "यही वो समय है!"

134 हम इसके लिए देख रहे हैं। हम नहीं जानते कि कौन सा समय है। मैं विश्वास करता हूं कि यही समय है, और मैं मशाल को जलाए रखना चाहता हूं। और सुनना, मैं... इसे सही से पकड़ना! मैं अपने जीवन के हर उस क्षण को ऐसा जीना चाहता हूं कि मैं अगला क्षण उसकी प्रतीक्षा में हूं, लेकिन मैं इसे इसी तरह से जारी रखना चाहता हूं यह अब से दस हजार वर्ष बाद हो। मैं अब भी बीज बोना चाहता हूं, फसल को काटना चाहता हूं। मैं सुसमाचार का प्रचार करना चाहता हूं और हमेशा की तरह आगे जारी रखना चाहता हूं। उसी तरह, अपनी आँखों को ऊपर उठाये हुए, देखते रहना; विकसित जमीन से खींचते... पूले को, दाने को लेते हुए। और उसके बाद अगले वर्ष मैं फिर से अपनी फसल बोऊंगा, "प्रभु, मैंने सोचा था कि आप पिछले वर्ष यहां पर होंगे, लेकिन यदि आप नहीं आये, तो आप इस वर्ष आ सकते हैं। इसलिए मैं अपने बच्चों के पालन–पोषण के लिए अपनी फसल को लगाऊंगा। यदि आप रुके रहते है, तो उनके पास खाने को कुछ होगा; यदि आप नहीं आते है, तो मैं आपके लिए प्रतीक्षा करूंगा।" आप वहां हैं, देखो, बस सामान्य रूप से आगे जारी रखे।

135 यदि मैंने सोचा कि वह सुबह आ रहा है, तो आज रात मैं उसी संदेश को प्रचार करूंगा जो मैं अभी प्रचार कर रहा हूं। यदि मैं सोचता हूं कि वह सुबह आ रहा है, तो मैं बाहर जाकर और अपनी कार को नहीं बेचूंगा, मैं जाकर *यह, वह* या *कुछ* और नहीं करूंगा। मैं वैसे ही चलता रहूँगा जैसे मैं सामान्य रूप से चलता था, क्योंकि हर समय मैं उसके आने की प्रतीक्षा कर रहा हूँ। क्योंकि वो सकता है केवल आपके लिए आये, ये हो सकता है कि आपका समय आज रात हो। हो सकता है ये आज रात मेरा समय हो। मैं नहीं जानता। लेकिन उनमें से एक हमारा समय होने वाला है।

136 और इससे क्या फ़र्क पड़ता है कि मैं यहाँ जी रहा हूँ या मुझे वहाँ पर दफनाया गया हो? क्योंकि यदि मैं पहले ही मृत्यु के दंड को भरता हूं, तो मैं किसी भी जीवित व्यक्ति से पहले वहाँ पर होऊँगा। यह सही बात है। "मेरा यह कहना है," दूसरा थिस्सलुनिकियों, 5वाँ अध्याय, "यह मैं प्रभु की आज्ञाओं में तुम से कहता हूं। हम जो जीवित हैं, और प्रभु के आने तक

बचे रहेंगे तो सोए हुओं से कभी आगे न बढ़ेंगे। क्योंकि परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हुए हैं वे पहिले जी उठेंगे।" वे जो मर गए हैं उनका अवसर वे पहले आगे आयेंगे। इसी तरह से हम जानते हैं कि यह नजदीक है, देखिए। "तब हम जो जीवित हैं और बचे रहेंगे, एक क्षण में, पलक झपकते ही बदल जायेंगे, और उनके साथ मिलकर उठा लिए जाएंगे, कि हवा में प्रभु से मिले।"

137 तो इससे क्या फर्क पड़ता है कि मैं नूह के समय में मरता हूं, यदि मैं अब्राहम के समय में मरता हूं, यदि मैं प्रेरितों के समय में मरता हूं, यदि मैं दो सप्ताह पहले मरता, या ठीक अभी? इससे क्या फर्क पड़ेगा? मैं क्षण भर में, पलक झपकते ही वहाँ पर होऊंगा, मैं केवल उस समय तक विश्राम कर रहा हूँ।

138 अब, एकत्र होना प्रभु के लिये होगा। जैसे कि याकूब, 49वें अध्याय में, उसने कहा, "जब शीलो आता है, और एकत्र होना उसी के निमित होगा। कोई नियम को देने वाला नहीं आएगा जब तक... पैरों के बीच से, शीलो आने तक," यहूदा के विषय बोलते हुए, "और उसी के लिये एकत्र होना होगा।"

139 अब, बहुत सारे लोग एक कलीसिया के लिए देख रहे हैं, लोगों का एक बड़ा झुण्ड एक साथ उठा लिया जायेगा, एक कलीसिया, एक संप्रदाय, कोई मत सिद्धांत कोई तो उठा लिए जायेंगे। ये ऐसा नहीं है। ऐसा बिल्कुल नहीं है।

140 लोगों का एकत्र होना, जब परमेश्वर अपने झुण्ड को एक साथ बुलाता है, वो हो सकता है जेफरसनविले से दो को ले, इंडियाना से दो, केंटकी से दो, मिसिसिपी से दो को ले। उसने बिलकुल यही कहा था; ये उनके शब्द नहीं है, लेकिन उसने कहा, "एक खेत में दो जन होंगे," यहाँ पर दिन का उजाला होता है, "मैं एक को ले लूँगा और एक को छोड़ दूँगा। दो जन बिस्तर पर होंगे," धरती के दूसरी ओर रात्रि का समय है, "मैं एक को ले लूँगा और एक को छोड़ दूंगा।" देखा?

141 *यहां* एक झुण्ड के लिए, लोगों का एकत्र होना पारिवारिक नहीं होगा। यह एक विश्व व्यापी पुनरुत्थान का एक साथ एकत्र होना होगा, और रेपचर भी उसी तरह से आएगा। क्योंकि उसने कहा, "जब कोई *इस* घड़ी में सो गया, कोई *उस* घड़ी में, कोई इसमें... आगे सातवीं घड़ी तक। और फिर जब दूल्हा आया, तो वे सब जाग गए, हर एक जन, वहां उत्पत्ति के समय

से लेकर प्रकाशितवाक्य के अंत तक। उनमें से हर एक जन जाग उठा, यह सही है, ताकि अंदर जाने के लिए तैयार हो।"

142 अब, आप देखिए, वो दिखाता है कि उसके आगमन पर सभी मरे हुए कब्र से बाहर आ जायेंगे, धर्मी जन, दुल्हन, कब्र में सोये हुए लोग पुनरुत्थान के समय पर जी उठेंगे। फिर वो दिखाता है कि जो लोग धरती पर जी रहे हैं, यह एक *यहाँ* पर होगा और एक *वहाँ* पर होगा, यह एक छोटे झुण्ड में एकत्रित लोगों का समूह नहीं होगा। "क्योंकि एक जन खेत में होगा, मतलब दो जन खेत में होंगे, मैं एक को ले लूंगा और एक को छोड़ दूंगा, " वहां दिन के उजाले में से एक जन कलीसिया में से आता है। पृथ्वी के दूसरी ओर, "बिस्तर पर दो होंगे, मैं एक को ले लूँगा और एक को छोड़ दूँगा।" क्या यह सही है?

143 तो एकत्र होना मसीह के लिए होगा, चाहे मैं जेफरसनविले में रहूं, चाहे मैं स्वीडन में रहूं, चाहे मैं... और ये जहां कहीं भी हो, ये एकत्र होना चरवाहे के लिये होगा। देखा? और फिर हम एक साथ हवा में प्रभु से मिलने के लिए पुनरुत्थान में ऊपर उठाये जायेंगे। लोग धरती के सभी हिस्सों से आएंगे, जो जीवित रहेंगे। जो लोग मर चुके हैं, और इत्यादि, वे उठ खड़े होंगे। और एक साथ कलीसिया को हवा में प्रभु से मिलने के लिए ऊपर उठाया जाएगा। देखा?

144 उसका आगमन विश्व व्यापी होगा। यह केवल लुईसविले के लिए नहीं आएगा। यह केवल बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन के लिए नहीं आयेगा। यह उनके लिए होगा जो "हृदय के जो शुद्ध है वे परमेश्वर को देखेंगे, " और पुनरुत्थान और एकत्र होना हर जगह से होगा।

145 और, अब, यह कब आ रहा है? हो सकता है आज रात हो, हो सकता है कल हो, हो सकता है इसी वर्ष हो, हो सकता है पचास वर्ष, हो सकता है सौ वर्ष, हो सकता है अगले एक हजार वर्ष में हो। मैं नहीं जानता। कोई और भी नहीं जानता। लेकिन आप हम—हम, आप और मैं, आज रात ऐसे जीयें जैसे ये अभी रात को होने वाला है।

146 लेकिन, अब, जैसा आपने कहा था वैसा करने में, "मेरा—मेरा एक ऑपरेशन है।" खैर, यदि आपका ऑपरेशन होना है, आपके पास छुटकारा पाने के लिए विश्वास नहीं है, तो आगे बढ़कर और अपना ऑपरेशन करवाये।

147 यदि मैं कुछ—कुछ खरीदने जाता हूं... एक दिन किसी ने आकर और मुझे कुछ लिखकर दिया, और कहा, एक—एक बड़ा पत्र था, और कहा, "भाई ब्रंहम, मुझे नहीं पता कि क्या करना है।" कहा, "मैं और मेरी पत्नी परमेश्वर के प्रति इतने विश्वास योग्य रहे हैं जितने हम हो सकते थे। हमने अपने बच्चों का पालन–पोषण किया है।" और कहा, "अब, मैं जो सोच रहा हूँ," कहा, "हमारे पास... हमने एक खेत को बचा कर रखा है, एक खेत खरीदा है।" और कहा, "हम इसे बहुत ही पसंद करते हैं! वहाँ पर एक झरना है; वहाँ उस स्थान से होकर एक—एक छोटी नदी बहती है।" यह वहां ओरेगॉन में था। और कहा, "हमने सुना है कि आप ओरेगॉन आ रहे हैं। मैं आपको बताऊंगा कि हमने क्या करने का निर्णय लिया है। हम यह जानते हैं... हमने सोचा कि हम इसे बच्चों के लिए बचाकर रखेंगे, क्योंकि बच्चों में से कोई भी मसीही नहीं है।" कहा, "हमने सोचा कि हम इसे उनके लिए बचाकर रखें क्योंकि उन्हें महासंकट से होकर जाने के लिए यहीं पर रहना होगा, और इसे उनके लिए बचाकर रखा है और उनके पास कुछ तो हो, क्योंकि हम विश्वास करते है कि हम रेपचर में जायेंगे। इसलिए हम नहीं जानते कि इसके बारे में क्या करना है, इसलिए शायद जब आप आएंगे तो तब हम खेत को आपको सौंप देंगे, देखो, और फिर आप इसके साथ जो करना चाहते है आप कर सकते है।"

148 मैंने वापस लिखा, मैंने कहा, "अपने बच्चों के बारे में ऐसा सोचना आपके लिए कितना विचारशील है।"

149 कहा, "मैं और माँ वहाँ पर जाते हैं, और शाम को।" कहा, "मैं रिटायर होने पर हूं, और," कहा, "पार करते हुए खेत पर जाना हमारे पास आनंददायक समय होता हैं, झरने की ओर देखते हुए, और वहाँ खड़े होकर परमेश्वर की स्तुति करता हूँ।"

150 मैंने कहा, "ऐसा करना जारी रखें, बस उसी तरह से जीते रहे, शारीरिक, भौतिक रूप से। जब तक वो नहीं आ जाता है, बस ऐसे ही आगे बढ़ते रहे। देखो, बस यहीं पर बने रहना, जब तक वो नहीं आता ऐसा करते रहे।"

151 योजना बनाये, आगे बढ़ें, उसे करे, "यदि प्रभु ने चाहा तो! यदि प्रभु ने चाहा तो! तो मैं *इसे* करूँगा, यदि प्रभु ने चाहा तो।" वह हो सकता है उस समय से पहले आ जाए। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] लेकिन

आप जैसे भी करते आये हैं वैसे ही आगे बढ़ते रहें जब तक... लेकिन अपने प्राण को साफ सुथरा करो, वो किसी भी क्षण आ सकता है। देखो, तैयार रहो। क्योंकि, आप देखो, वह किसी भी क्षण, किसी भी मिनट *आपके* लिए आ सकता है, अगली हृदय की धड़कन, अगली सांस, वह आपके लिए आ सकता है। लेकिन आप जो भी करना चाहते हैं उसे करते रहें, जब तक यह सच्चा, सभ्य और ईमानदारी का काम है, आगे बढ़ें और इसे करते रहे।

152 अब, हम जानते हैं कि हम किसी चीज का सामना कर रहे हैं। मैं इसे जानता हूं; आप इसे जानते है। मुझे—मुझे—मुझे नहीं पता कि किस ओर मुड़ना है। आपको याद है लगभग चार वर्ष पहले, एक दिन शिकागो में, प्रभु की आत्मा मुझ पर उतर आई और मैंने कहा, "यह ऐसा है! और बेदारी खत्म हुई है, और अमेरिका ने उसके अवसर को ठुकरा दिया है।" यह टेप पर है। "और कोई और बेदारी नहीं होगी। उसने अपने आखिरी अवसर को ठुकरा दिया है।"

153 मैं चाहता हूं कि आप देखें। क्या किसी को पता है कि टेप पर वह कौन सा दिन था? हमने इसे पा लिया है। लियो और जीन को यह मिल गया। मैंने इसे कुछ समय पहले ही यहां सुना था। बोज़ ने इस बात को अपने अखबार में डाला। और तो बस देखे तब से लेकर क्या घटित हुआ है, देखो, बेदारी रुक गयी है।

154 मैंने उस बात को एक रात को वहां ब्लू लेक पर—पर कहा, और एक छोटा से व्यक्ति ने अगली सुबह को समर्थन किया, कहा, "भाई ब्रंहम कह सकते हैं कि पेंटीकोस्टल के पास यह है, लेकिन मैं नहीं! परमेश्वर की महिमा हो! हाल्लेलुय्या," और आगे और आगे। देखिए, लेकिन उस छोटे से व्यक्ति को यह नहीं पता था कि उस तुरही को किस सिरे से बजा रहा है। देखो, वो नहीं समझता। देखो, वह नहीं जानता। यह ठीक बात है, उत्साहित था, यह पूरी तरह से अच्छी बात है।

155 लेकिन हर कहीं देखो! वे क्या कर रहे हैं? लोगों के साथ क्या माजरा है? बेदारी का क्या हुआ? बिली ग्राहम, ओरल रॉबर्ट्स, बाकी सभी को क्या हुआ है? बेदारी कहाँ चल रही है? यह समाप्त हुई है! धुआं जम गया है। बीज बोए गये हैं। सभा ख़त्म हो गई है। आग जलकर बुझ गयी है। (रोम के पुराने मंदिर में, वेस्टा में, जब आग बुझ जाती थी तो व्यापारी घर चले

जाते थे, वेदियों पर।) अब, हम देखते हैं कि बेदारी जारी नहीं है। यह जोश या उत्साह नहीं है।

156 फिर मैं 1936 में नदी के बारे में सोचता हूं, मैं सोचता हूं कि उसने क्या कहा था। वहां पर क्या हुआ था? आपमें से बहुत से लोग जानते हैं। मैं तब एक लड़का ही था, और अपने पहले बपतिस्मे को तब दे रहा था जब प्रभु का दूत नीचे उतर आया और जहाँ मैं था वहीं पर खड़ा हो गया। कुछ लोगों ने कहा, "आपने इसे नहीं देखा।" तब विज्ञान ने साबित कर दिया कि ऐसा हुआ था। देखा? समझे?

157 अब, उसने वहां क्या कहा? "जैसा कि यह था, जैसे यूहन्ना उस बप्तिस्मा देने वाले को मसीह के पहले आगमन के आगे–आगे भेजा गया था, तेरा संदेश दूसरे आगमन से पहले आगे–आगे जायेगा।"

158 मैंने इसे धरती भर में, सारे दुनिया भर में जाते हुए देखा है। बस लगभग रात भर में ही, हर जगह बेदारी शुरू हो गयी। हर जगह बेदारी की आग जल रही थी, ये अब तक की सबसे बडी बेदारी हुई है जिसके बारे में हम जानते हैं। लेकिन क्या उससे पहले कुछ भी था? कुछ भी नहीं! जब इसके दो सप्ताह पहले, मैंने न्यू अल्बानी में एक व्यक्ति को भाषण देते हुए सुना, कहा, "लोग हमेशा के शोर–शराबे की—की बेदारी का विश्वास करते है, बिली संडे और उन लोगों की तरह।" कहा, "हम जानते हैं कि उनमें से अब कोई और नहीं हो सकता। लोग पक्के प्रमाण को चाहते हैं; वहां ऐसी कोई चीज ही नहीं है!" जब वे उस बड़े शोर–शराबे को करते थे, उसी समय पर परमेश्वर ने विस्फोट किया उनकी प्रारंभिक शताब्दियों के बाद से हमारे पास सबसे बड़ा बेदारी हुई थी, बहुत अधिक लोगों को बचाया गया है: लाखों में।

159 आंकड़े दिखाते हैं कि एक मनुष्य का संदेश तीन वर्ष तक चलता है, इनमें से किसी का भी, फिर वह बाकी समय अपने प्रतिष्ठा पर जीता है जब तक कि परमेश्वर उसे नहीं बुलाता है। अब, ऐसा मसीह के समय से लेकर रहा है, उसके साढ़े तीन वर्ष थे, देखा। और ये दिखाता है कि सारे जो आगे, स्पर्जन, नॉक्स, केल्विन, वहां से होते हुए आगे तक रहे है, यह दर्शाता है कि एक व्यक्ति की सेवकाई के लिए तीन से लेकर साढ़े तीन वर्ष की सीमा है। इसका बाकी का... उसकी मोमबत्ती जल चुकी है, वह अपनी पिछली प्रतिष्ठा पर जी रहा है। यदि वह दुष्ट है, तो उसके—उसके कार्य

उसके पीछे–पीछे आते हैं; यदि वह सही है, तो उसके कार्य उसके पीछे–पीछे आते हैं। ऐसा ही है।

160 अब, इसका क्या मतलब था? मैं यहां इस कलीसिया में प्रचार कर रहा हूं और आपको यह बता रहा हूं "मैं विश्वास करता हूं कि वहां एक महान जन का आगमन होने वाला है।" मैं विश्वास करता हूं और आपको बताया है कि "मेरा विश्वास है कि वचन इसका समर्थन करते हैं कि अंतिम कलीसिया युग का एक सन्देशवाहक होगा।" मेरा यह विश्वास है। मैंने उस व्यक्ति के प्रकट होने के लिए देख रहा हूं, मैंने लगातार इसके लिए देखा है।

161 और मैं एक मनुष्य को उठते हुए देखता हूं, मैं उसके बारे में सुनता हूं, एक बड़ा मनुष्य तेजी से फैलना आरंभ होता है, मैंने ध्यान दिया कि उसका संदेश बाईबल से बहुत दूर है। मैं उसे एक कोने में वापस भागते हुए देखता हूँ। देखा? मैं दूसरे एक को ऊपर उठते हुए देखता हूं, उस ओर उड़ते हुए, लेकिन वह उकाबों के बीच नहीं पहुँच पाता, वह सांप्रदायिक कौवों के बीच में बना रहता है। *यहाँ* नीचे बना रहता है, उसका संगठन, और दूसरा एक अधिक सदस्यता और इत्यादि को लाता है। मैं इसे देखता हूं, मैं इसे मरते हुए देखता हूं।

162 मैं सोचता हूं, "परमेश्वर, वह एक कहां पर है जो बच्चों के लिए पिताओं के विश्वास को लौटाने जा रहा है? वे बीज कहाँ पर बोये जाने वाले हैं? यह कहाँ पर है? क्या बात जगह लेने वाली है? "

163 अब बात इस पर आती है। यदि—यदि वो संदेश वहां उस दिन नदी पर आया, यदि ये वही था, तो प्रभु का आगमन निकट है, यह लगभग यहीं पर है। यदि ऐसा नहीं है, तो वहां एक तूफान से पहले की शांति है। मैं नहीं जानता। उसने मेरे लिए इसे प्रकट नहीं किया है। मैं सोचने की कोशिश कर रहा हूँ, "क्या यह उसका आधिकारिक संदेश था? क्या वो मुझसे यही सब कहलवाना चाहता था? क्या ऐसा था जब उसने आदेश दिया था? क्या यही सब कुछ था? यदि ऐसा है, तो हम बहुत ही, बहुत ही नजदीक हैं। यह आपके सोचने से भी अधिक देर हो गयी है। यदि ऐसा नहीं था, तो वहां तूफ़ान के आने से पहले की शांति है।

164 अब, कुछ समय पहले किसी ने मुझे यहाँ लिखा था, और मुझसे पूछा था, कहा, "यदि आप विश्वास नहीं करते कि कलीसिया महासंकट काल से होकर जाती है, तो प्रकाशितवाक्य 13 के बारे में क्या है, वे मेम्ने के लहू

और उनकी गवाही के द्वारा कैसे जय को पाते है? " उस व्यक्ति ने इस प्रश्न को पूछा। मैं सोचता हूं। क्या आपको एहसास है कि प्रकाशितवाक्य के पहले तीन अध्याय कलीसिया युग में कलीसिया से संबंधित हैं? यह महासंकट काल है, ना ही कलीसिया का युग; कलीसिया का रेपचर हो जाता है और प्रकाशितवाक्य के 4थे अध्याय में ऊपर चली जाती है, 19वें अध्याय तक ये फिर से कभी भी नहीं आती है जब यह आती है तो ये यीशु के साथ आती है। यह सही है। यह महासंकट काल में होता है, इसका कलीसिया के साथ बिल्कुल कोई लेना–देना नहीं है।

165 महान चीज़ों की ये सारी महान प्रतिज्ञायें जो आपने बाइबल में देखी हैं, जैसे क्या बात जगह लेने जा रही है, यही वहां यहूदी साम्राज्य में होता है, यहां अन्यजातियों के बीच नहीं। मैं सोचता हूं कि वे इस एक के द्वारा एकत्र होंगे इसे आना ही चाहिए ताकि लोगों के विश्वास को लौटाये, जिसकी प्रतिज्ञा की गयी है। और एकमात्र तरीका जिससे मैं इसे प्राप्त कर सकता हूं, क्योंकि उसने कहा, "इस संदेश के तुरंत बाद, धरती गर्मी, आग से जल जाएगी।" जब कि हम यहीं पर हैं, मैं आपके लिए इसे पढ़कर सुनाऊंगा, और देखेंगे कि ये क्या कहता है।

166 और अब राज्य का यह छोटा सा संदेश, हो सकता है मैं अगले रविवार की सुबह इसका प्रचार कर सकता है, यदि प्रभु चाहता है, तो देखो, और यदि प्रभु की इच्छा है तो।

167 अब यहां पर देखें, यहां यूहन्ना, मलाकी 3 आता है:

> *देखो, मैं... अपने सन्देशवाहक* मेरे आगे... *अपने सन्देशवाहक को भेजता हूं, और वह मार्ग को मेरे आगे सुधारेगा: और प्रभु, जिसे तुम ढूंढ़ते हो, वह अचानक अपने मन्दिर में आ जाएगा; हां वाचा का वह सन्देशवाहक, जिसे तुम चाहते हो: सुनो, वह आता है, सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।*

168 आप यह देखते हो? मलाकी 3। मत्ती अब, मत्ती के 11वें अध्याय को देखें, और इसे सुने और 6वां पद। आइये अब पढ़ते हैं मला–... मत्ती 11, यीशु बोल रहा हैं। और अब आइए 11वें अध्याय से आरंभ करें:

> *और ऐसा हुआ, जब यीशु* अपने *बारह चेलों को यह आज्ञा दे चुका था, तो वह उन के नगरों में उपदेश और प्रचार करने को वहां से चला गया।*

और *यूहन्ना ने बन्दीगृह में मसीह के कामों का समाचार सुनकर... अपने चेलों को उस से यह पूछने भेजा,*

और उससे कहा, कि क्या आनेवाला तू ही है, या हम दूसरे की बाट जोहें?

169 उस भविष्यवक्ता की उस उदासी को देखा? वह जानता था कि कुछ तो बात जगह लेने जा रही थी, लेकिन उसे पक्का नहीं था कि ये कहाँ पर था, देखो, देखो, तब क्या बात जगह ले रही थी। "क्या तू वही है? " जब उसने उसकी घोषणा की थी ये उसके बाद की बात है।

और *यीशु... ने उन से कहा, जो बातें* तुम *सुनते और देखते हो, जाकर यूहन्ना को फिर से* दिखाओ:

अंधों को उनकी दृष्टि मिलती है,... लंगड़े चलते हैं, कोढ़ी शुद्ध किये गये हैं,... बहरे सुनते हैं, मुर्दे जिलाए जाते हैं, और कंगालों के लिए *सुसमाचार को सुनाया जाता है।*

और धन्य है वह, जो मेरे कारण *ठोकर न खाए।*

जब वे वहां से चल दिए, तो यीशु यूहन्ना के विषय में लोगों *से कहने लगा,...* (अब सुनना!)... *तुम जंगल में क्या देखने गए थे? क्या हवा से हिलते हुए सरकण्डे को?* (नहीं, यह यूहन्ना नहीं था, यूहन्ना के साथ कोई समझौता नहीं।)

... फिर तुम क्या देखने गए थे? क्या कोमल वस्त्र पहिने हुए मनुष्य को? (दूसरे शब्दों में, घुमे हुए कॉलर, आप जानते हैं, और विद्वान और बड़े–बड़े लोग) *देखो, जो कोमल वस्त्र पहिनते हैं, वे राजभवनों में रहते हैं।* (वो जो बालक को चूमता है, और बच्चों का विवाह करता है, और मरे हुओं को दफनाता है, और, आप जानते हैं, या राजाओं के आगे–पीछे घूमता हैं। यह उसी तरह का है, वह दो हाथ वाली तलवार नहीं चलाता। देखा?)

... अब, *तुम जंगल में क्या देखने गए थे?* एक मनुष्य और उसके वस्त्रो को, *और क्या हवा से हिलते हुए?*

... क्या कोमल वस्त्र पहिने हुए मनुष्य को? देखो, जो कोमल वस्त्र पहिनते हैं, वे राजभवनों *में रहते हैं।*

तो फिर क्यों देखने को गए थे? क्या किसी भविष्यद्वक्ता को? हां, मैं तुम से कहता हूं, वरन भविष्यद्वक्ता से भी बड़े को।

170 देखो! "इसके लिए... " अब सुनना, ये यीशु के अपने खुद के शब्द हैं:

क्योंकि यह वही है, जिस के विषय में लिखा है, कि देख, मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूं, अपने विश्वास के, और वो... सामना, और वो *तेरे आगे तेरा मार्ग तैयार करेगा।*

171 अब मलाकी 3 देखें:

देख, मैं... अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूं, जो तेरे आगे तेरा मार्ग तैयार करेगा:... (मलाकी 3, ना ही मलाकी 4।)

172 अब मलाकी 4 को देखें:

क्योंकि, देखो, वह धधकते भट्ठे का सा दिन आता है; जब सब अभिमानी, और सब दुराचारी लोग अनाज की खूंटी *बन जाएंगे:... और* उस आने *वाले दिन में वे ऐसे भस्म हो जाएंगे, सेनाओं के यहोवा का यही वचन है,... कि उनका पता तक न रहेगा* (यही महासंकट और विनाश का है, देखिए, यह आ रहा है)।

परन्तु तुम्हारे लिये जो मेरे नाम का भय मानते हो, धर्म का सूर्य उदय होगा, और उसकी किरणों *के द्वारा तुम चंगे हो जाओगे* (प्रभु का आगमन); *और तुम निकल कर* जब... तुम *निकल कर पाले हुए बछड़ों की नाईं कूदोगे और फांदोगे।* (यह चरागाह पर जाने जैसा है, बाहर निकलकर।)

... तब तुम दुष्टों को लताड़ डालोगे; अर्थात मेरे उस *ठहराए हुए दिन में वे तुम्हारे पांवों के नीचे की राख बन जाएंगे, सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।*

173 अन्यथा, धर्मी जन, मसीह के साथ धरती पर लौटने पर, राख पर चलकर जायेंगे। जब आप इन लोगों को देखते हैं, अहंकारी, अभिमानी, निराशावादी, धूर्त, और फिर भी मसीही होने का दावा करते हुए, वे राख के अलावा कुछ नहीं हैं। ऐसा ही है। यही है जो वचन कहता है। देखा? अब देखो।

याद रखे... मेरे दास मूसा की व्यवस्था अर्थात जो जो विधि और नियम मैं ने... सारे इस्रएलियों के लिये उसको होरेब में दिए थे, उन को स्मरण रखो।

देखो, यहोवा के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहिले, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह नबी को भेजूंगा:

उस दिन से ठीक पहले, प्रभु की वापसी से, पहले एलिय्याह आएगा।

174 तो ठीक है, याद रखें, अब भी भविष्य है। अब, यह यूहन्ना का आना नहीं हो सकता था। वो एलिय्याह था, लेकिन वह अब पाँच बार आता है। जे–ई–एस–यू–एस, एफ–ए–आई–टी–एच, जी–आर–ए–सी–ई। देखिये, *पांच* यह "अनुग्रह" की संख्या है। एलिय्याह पाँच बार प्रकट होता है: एक बार एलिय्याह है; एलीशा के रूप में; यूहन्ना के रूप में; अन्यजातियों के अंत में; और वहां यहूदियों के लिए मूसा के साथ। सिद्ध संख्या, सिद्ध भविष्यवक्ता, सिद्ध संदेशवाहक, सख्त, निडर। देखा? ध्यान देना:

... मैं एलिय्याह को तुम्हारे लिए भेजूंगा... उस दिन के आने से पहले, प्रभु का बड़ा और भयानक दिन:

और वह पिताओ के ह्रदय को उनके पुत्रों की ओर, और पुत्रों के ह्रदय को उनके पिता की ओर फेरेगा, ऐसा न हो कि मैं आकर पृथ्वी को सत्यानाश करूं।

175 देखो, ना ही पहले आगमन का परिचय कराना; वो यूहन्ना था, क्योंकि धरती खूंटी के समान कभी नहीं जली, और धर्मी दुष्टों की राख पर कभी नहीं चले। लेकिन ऐसी बात जगह लेने से ठीक पहले, एलीशा आएगा। और वो क्या करेगा? बच्चों के विश्वास को वापस पिता की ओर लौटाएगा, बाईबल का मूल विश्वास।

176 जब मैं किसी मनुष्य को आते देखता हूँ, तो सोचता हूँ, "यह अवश्य ही वही होगा। वहाँ एक मनुष्य प्रसिद्धि में ऊपर आ रहा है, उसकी ओर देखो, कलीसियायें जा रही है।" वो क्या कर रहा है? बाईबल से एक हजार मील दूर। वह क्या करता है? यहाँ वहां भटकता है, हवा निकल जाती है और वह नीचे चला जाता है। देखना, "भक्ति का भेष तो धरते है और उसकी शक्ति का इनकार करते है।" विश्वास का इनकार करते है, बाईबल पर विश्वास नही करते, कहते हुए, कि मत सिद्धांतों को पकडकर रखना,

संप्रदाय, संप्रदायिक संतानों को लेते हुए। इसे गिरना ही है। वहां से वो तुरंत वापस चला जाता है।

177 वो कहाँ है जो उस अंतिम समय की कलीसिया के लिए उस बीज को बोएगा? वो परिपक्वता का बीज कहाँ है, वो प्रतिज्ञा किया गया एलिय्याह? और उसके दिनों के तुरन्त बाद बड़ा महासंकट आ जाएगा और धरती को जला देगा।

178 और उसके बाद कलीसिया और दुल्हन की वापसी पर, दुल्हन और मसीह उनके राख पर चलेंगे, उस सह–शताब्दी में, जब धरती आग से शुद्ध हो जाएगी। और वहां पर वे राज्य करेंगे। और वे अन्यजाति जिन्होंने कभी सुसमाचार को नहीं सुना, वे उस समय पुनर्जीवित किये जायेंगे, और परमेश्वर के पुत्र प्रकट होंगे। यदि उसे राज्य करना है, तो उसके पास राज्य करने के लिए कुछ तो होना चाहिए, उसके पास एक अधिकार क्षेत्र होता है। "और उन्होंने मसीह के साथ राज्य किया और अधिकारी हुए," और मसीह ने लोहे के राजदंड से जाति जाति पर राज्य किया। तब सुसमाचार... तब परमेश्वर के प्रकट हुए पुत्र, उसी अधिकार के साथ होते है जैसे उसके पास उस समय था जब वो यहाँ पर था, देखो, वहां उस राज्यकाल में सह–शताब्दी आयेगी, देखो, राख पर।

179 इसलिए मैंने किसी चीज के लिए देखा है। क्या यह नम्रता में हमसे छुट गया है और हम इससे चूक गये हैं? क्या यह जा चूका है और कलीसिया अपने पापों में छोड़ दी गयी है? यदि ऐसा है, तो यह आपके सोचने से भी अधिक देर हो गयी है। यदि नहीं, तब कोई तो एक संदेश को लेकर आ रहा है जो सीधा बाईबल पर आधारित है, और तेज कार्य पृथ्वी का चक्कर लगाएगा। वे बीज अखबारों, पढ़े जाने वाली वस्तुओं में होंगे, जब तक कि हर एक परमेश्वर के पहले से ठहराया हुआ बीज इसे नहीं सुन लेता। उनमें से कोई भी तब तक नहीं आएगा जब तक पिता ने उन्हें नहीं खींच लेता, और उस हर को जिसे पिता ने खींचा है वो इसे सुनेगा और वो आएगा। ऐसा होगा, पहले से ठहराया हुआ बीज वचन को सुनेगा।

180 फिर जब यह बात जगह लेती है, तो यह एक साथ एकत्र होना होगा। और यीशु प्रकट होगा, और वहां सारी धरती पर से कलीसिया का जाना होगा, उसी तरह से, पुनरुत्थान के साथ, ऊपर की ओर जाना।

181 क्या यह ऐसा होगा जैसे यूहन्ना आया, और यहां तक कि चुने हुए चेलों को भी इसका पता नहीं चला? उन्होंने कहा, "शास्त्री क्यों कहते हैं कि एल्लियाह का पहले आना अवश्य है? "

182 उसने कहा, "वह पहले ही आ चुका है और तुम यह नहीं जानते।" लेकिन कहा, "उन्होंने वही किया उन्होंने जो कहा वे उसके साथ करेंगे।" उसका संदेश इतना शीघ्र था, देखो, सारे इस्राएल के लिए, और ऐसा केवल एक छोटी सी–... दो—दो छोटे–छोटे स्थानों में घटित हुआ: यरूशलेम में ठीक नीचे और वहां पर, या ऐनोन में जहां यूहन्ना बपतिस्मा देने के लिए गया था, और ठीक नीचे नदी पर जहां वह बपतिस्मा दे रहा था, नदी सूख गई। केवल छह महीने, और मसीहा का सारा परिचय तुरंत सामने आ गया। समझे?

183 क्या हमने कुछ तो अनदेखा किया है? क्या यह हमारे सोचने से भी अधिक देर हो गयी है? अब यह एक ह्रदय से ह्रदय की बात है। यह, बस आज रात, बस... हाँ, यह बस—बस हम यहां बात कर रहे हैं। क्या यह आपके सोचने से भी अधिक देर हो गयी है? क्या वो संदेश वास्तव में उस दिन नदी पर था? क्या ये पता भी नहीं चला है, और लोग इससे चूक गये हैं? क्या यही है? यह हमारे सोचने से भी अधिक देर हो गयी है। यह कब होगा? मैं नहीं जानता। हो सकता है आज रात हो। हो सकता है अगले पचास साल और लगेंगे। मैं नहीं जानता कि यह कब होगा, मैं वैसे ही करता रहूंगा जैसे मैं अभी करता हूं। अच्छा, यह क्या है? क्या मैं किसी चीज के लिए देख रहा हूँ?

184 कल रात मैंने एक अजीब सा सपना देखा, इसने मुझे पूरे दिन परेशान किया। आमतौर पर मैं ज़्यादा सपने नहीं देखता। लेकिन मुझे एक सपना आया था...

185 मैं हर जगह जाता हूं, और ऐसा होता है और ये हमेशा ही उस संदेश का विस्फोट होता और मैं एक को यहां देखता और एक को वहां इसे पकड़ते हुए देखता। मैं फिर से वापस जाता और संदेश को विस्फोट करता और वे अपनी नाक को सिकोड़कर और वहां से निकल जाते। क्या बात है? क्या उन्होंने अपने अनुग्रह के दिन को पाप किया है? क्या अंतिम जन अंदर आ गया है? क्या यह पूरा हो गया है? क्या हम केवल विनाश का इंतज़ार

कर रहे हैं? क्या ये सभी छोटे–छोटे युद्ध बढ़ रहे हैं इसी तरह जो बस तैयारी पर हैं?

186 कुछ तो बात घटित होना तय है। ऐसा होने से पहले, कलीसिया जा चूकी होती है। देखो किस तरह से मैं इस बात से असहमत होता हूँ कि कलीसिया महासंकट में होगी! आप भला किसी नमूने को मूल–नमूने से कैसे अलग कर सकते हैं? देखा? इससे पहले पानी की एक बूँद भी गिरे नूह जहाज़ में था। आग लगने से पहले ही लूत सदोम से बाहर था। देखा? यीशु ने कहा, "जैसा उन दिनों में हुआ था वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आगमन में भी होगा।" कलीसिया को न्याय में खड़ा नहीं होना होगा, यह पहले से ही मसीह में है।

187 हमें संतों की सिद्धता की आवश्यकता है। संतों को समझ नहीं आता, देखो, वे समझ रहा है... वे बस नहीं जानते कि क्या सोचना है, देखिये। अब हम...

188 यदि यह सही है... यदि ऐसा नहीं है, तो शीघ्र ही कुछ तो आने वाला है, वहां एक विस्फोट होगा। मैं देख रहा हूं, मैं नहीं जानता कि किस ओर मुड़ना है।

189 कल रात मैंने एक सपना देखा। (उसके बाद मैं समाप्त कर रहा हूं।) मैंने एक सपना देखा, बहुत ही अजीब बात...

190 मैं वहां लेटा हुआ अपनी पत्नी से इस विषय पर बात कर रहा था–... हम बस प्रार्थना कर रहे थे, और मैं... किसी ने तो, उन्होंने फोन किया था कि छोटे डलास ने अपने कान के अंदर कुछ अटका दिया है, और मैं वहां चला गया... लहू बह रहा था, और उसे डॉक्टर के पास भागना पड़ा। और मैं प्रार्थना करने के लिये अंदर गया, और पवित्र आत्मा ने कहा, "यह पूरी तरह ठीक है।" देखा?

191 यहाँ वो आता है, यह ठीक है। डॉक्टर ने कहा, "क्यों, मैंने सोचा कि आपको होने जा रहा था... " कहा, "आपके कान में घाव हो गया है, फट गया है, और उसमें से लहू बह रहा है, और यह सब क्या है।" बस सब... अगली बार जब हम वापस गये—गये, उसने इसके बारे में कुछ नहीं कहा। पता नहीं क्या, देखो, वहां कोई संक्रमण या बुरा असर, कुछ भी नहीं था। देखा?

192 तो फिर किसी ने फोन किया था, और मैंने कमरे में जाकर और प्रार्थना किया। लगभग एक दिन वे फोन करके, कहते है, "ये पूरी तरह खत्म हुआ है। अच्छा है और बढ़िया है! ठीक होते जा रहा है!"

193 और मैं पत्नी से बात कर रहा था, मैंने कहा, "प्रिय, लगभग एक वर्ष और चार महीने तक मैं शायद ही ये नहीं समझ पाया हूं कि किस ओर जाना है।" मैंने कहा, "मुझे नहीं पता क्या करूं।" उसने कहा... हम बदलाव के बारे में बात कर रहे थे। मैंने कहा, "मैं नहीं जानता कि क्या करूँ, मैं खडे होकर और सोच रहा हूँ। क्या हम उसके लिए देख रहे हैं... क्या वो परमेश्वर का एक महान नबी है... जो दृश्य पर आता है ताकि उस बात को विस्फोट करें? क्या इसे सार्वजनिक रूप से जाना जायेगा? "

194 मैंने सोचा, "यह वचन के विपरीत है। नहीं, है: 'वह उस समय पर आता है जब आप उसके बारे में सोचते भी नहीं।'" देखा? और मैं नहीं जानता कि क्या करना है। क्या हमने इसे अनदेखा किया है? मैंने सोचा, "मैं यहां स्थानीय चर्च के आसपास पड़े नही रहना चाहता।" मैंने सोचा... और मैं आशा करता हूं कि इसे टेप नहीं किया जा रहा है; यदि ऐसा है, तो टेप को काट दे या एक तरफ रख दें। देखा? अब उसने कहा, यदि... मैंने कहा, "यदि ऐसा है, यह हमारे सोचने से भी अधिक निकट है।"

195 एक चीज़ है जो होना है... ऐसा होने वाला है। या तो अब कुछ तो मेरे लिए होना है। और मुझे समझ नहीं आ रहा कि जब मैं उस दिन उस मेज पर था तो उसने मुझे जाने क्यों नहीं दिया, फिर, देखो, यदि कुछ भी और करने को नहीं है। क्यों? मैं क्यों नहीं गया? क्या हुआ? क्या कुछ और भी करना बाकी है? मैंने सोचा, "तो ठीक है, यदि यह मेरा संदेश है, तो लोग इस पर अपनी नाक को सिकोड़ कर मुंह मोड़ देंगे।"

196 फिर, कोई तो मुझे विदेश में कार्य क्षेत्रों में बुला रहा है। मैं समुद्र पार, हर जगह से आ रही पुकार को सुनता हूँ।

197 हाल ही में एक दिन पत्र आया, भाई लिगर डरबन की सभा पर एक—एक किताब को लिख रहे हैं। उसने कहा, "इसकी तुलना कभी नहीं की गई। अफ़्रीका में ऐसी हिलावट पहले कभी नहीं आयी थी। एक ही रात्रि के समय में अफ़्रीका के इस अँधकार देश में ऐसी हिलावट हुई थी जो उनके जीवन में पहले कभी नहीं हुआ था।" यह सही है, वहां अन्यजातियों के बीच।

198 मैं वहां पर देखता हूं, मैंने उन बेचारे नीग्रो, बहुमूल्य लोगों को देखा है, मैंने देखा कि लोग उनके साथ किस तरह से व्यवहार कर रहे थे... गुलामों से भी बदतर। वहाँ एक छोटे से लड़के को देखा जो... और मैं... वहां काम किया, और मैंने कहा... वह लड़का, तुम बस... आप महिलाएं दो दिनों में इतना कुछ नहीं कर सकती [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] या तीन दिन में, जितनी मेहनत आप कर सकती है, उतनी मेहनत उस लड़के को एक दिन में करनी पड़ती थी। वो एक छोटे से पुराने शौचालय में लगभग चार फुट लंबे और चार फुट चौड़े एक घास–फुस के बिछौने पर सिकुड़कर सोता था। और उसे प्रति माह एक पाउंड मिलता था, यानी दो डॉलर और अस्सी सेंट। और उसे मेज़ पर से खाने के लिए जूठन, भोजन के हांडे में से खाने को नहीं मिलता; नाश्ते का तीसरा हिस्सा मिलता; इसका एक तिहाई हिस्सा रात के खाने में; और अन्य तीसरा हिस्सा रात्रि के भोजन के समय। वो दस, ग्यारह, बारह बजे तक काम करता; अगली सुबह उठकर बच्चे और बाकी सभी चीजों का ख्याल रखता, और सीढ़ियों को पॉलिश करता और मालिक की कार को साफ़ करता। और बड़ी, बूढ़ी, मोटी माँ वहाँ बैठकर अपने नाखून चटकाने और चाय पीने के अलावा कुछ भी नहीं करती, आलसी, कोई अच्छाई नहीं।

199 उस बेचारे लड़के को हर तरह के काम को करना पड़ता था। उसे खांसी हो गयी थी, और ऐसा लग रहा था जैसे उसे बस सर्दी हो गई हो, जैसे "ओह्ह, ओह्ह, ओह्ह।" और एक दिन मैंने उधर की ओर देखा, मैंने कहा, "क्या आपने कभी उस लड़के को नहीं... आप उस लड़के को सभा में क्यों नहीं लाते? "

200 "वो एक अश्वेत जाति का है।" [टेप पर रिक्त स्थान—सम्पा।] इसका मतलब होता है एक "धूर्त।" इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि वे उस नाम पर भड़क उठते हैं। मैं भी होऊंगा। वो मनुष्य मेरा भाई है। और वह वहाँ पर है। वह एक गुलाम नहीं है। उसके रंग का इससे कोई लेना–देना नहीं है। वह मेरा भाई है। और वहां पर वो इसी तरह से था।

201 मैं बाहर चला गया, मैंने उसे बुलाया "थॉमस।" वो लड़का तीन भाषायें बोल सकता था। और मैंने कहा, "थॉमस? "

202 वह पीछे मुड़ा, अपने घुटनों के बल गिर गया और हाथ ऊपर करके बोला, "हाँ स्वामी।"

203 मैंने कहा, "खड़े हो जाओ। मैं तुम्हारा स्वामी नहीं हूँ, मैं तुम्हारा भाई हूँ।" मैंने अपना हाथ उसके चारों ओर रख दिया। उसने मेरी ओर इस तरह से देखा, और उसके गालों पर बड़े–बड़े आँसू बह रहे थे। मैंने कहा, "थॉमस।"

204 और पवित्र आत्मा आया और वहां वो दर्शन था। मैंने उसे कुछ तो बताया। और उसने कहा, "हाँ, स्वामी। यह सच है। बस यही तो ये था।"

205 मैंने कहा, "थॉमस, खांसी तुम्हें छोड़ कर चली गयी है, अब तुम्हें यह कभी नहीं होगी।" और उसे नहीं हुई।

206 लोगों ने मेरी जेब में पैसे डाले थे, मेरे पास लगभग उन *पाउंड* के एक सौ अस्सी नोट थे (मतलब दो डॉलर और अस्सी सेंट)। और इसे मैं उसे देने से डर रहा था; डर रहा था कि उसका मालिक उसे उसके साथ पकड़ लेगा, तो उसे लगेगा कि उसने इसे चुराया है और फिर वे उसे पीट–पीट कर मार डालेंगे। तब मैंने—मैंने मालिक से कहा, मैंने कहा, "मैं—मैं उस लड़के से प्रेम करता हूँ। मुझे उसे कुछ पैसे देना है।"

"ओह, नहीं! नहीं! तुम उसे बिगाड़ दोगे।"

207 मैंने कहा, "तुम तो ज्यादा ही बिगडे हुए हो।" देखा? "तुम यहाँ पर पड़े–पड़े क्या करते हो? और तुम तो कुछ भी नहीं करते। वह लड़का सारा काम करता है और तुम उसे आधा भूखा मरने को छोड़ देते हो। उसकी एक—एक विधवा माँ और पीड़ित बहन है, और फिर तुम उसे एक डॉलर देते हो... दो डॉलर और अस्सी सेंट प्रति माह देते हो।" मैंने कहा, "किसी दिन तुम इसके लिए काटोगे! वहाँ दो मिलियन श्वेत लोग और लगभग सौ मिलियन अश्वेत लोग हैं। तुम्हारा विद्रोह होगा।"

कहा, "क्या तुम ऐसा अमेरिका में नहीं कहते, यहाँ पर क्या होता है।"

208 मैंने कहा, "मुझे शांत रहने के लिए कौन कह सकता है? केवल परमेश्वर।" कहा, "इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि लोगों के साथ इस तरह का व्यवहार किया जा रहा है।" [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] वहां आप हैं। और मैंने उनकी आवाज़ से आवाज़ मिलायी।

209 एक दिन कुछ सेवक लोग, कॉलर मुड़े हुए, छोटी–छोटी मूंछें, वे रोडेशिया तक आए।

210 एक पुराने छोटे से बहुत ही अच्छे पायलट ने उन बहुत ही तेज तूफान में से मुझे उड़ा कर ले गया, फिर ऐसा लगा दो मील हवा की ऊँचाई तक लेकर गया, इधर से उधर से उड़ता हुआ। हमें नहीं पता था कि क्या विमान उल्टा था; विमान बार–बार और बार–बार और बार–बार पलट रहा था। और अंत में यह... हमें नहीं पता था कि यह नीचे जा रहा था या ऊपर। और आख़िरकार इसने हमें तूफ़ान से ऊपर उठा दिया। और जब हम उतरे तो मेरे पेट में बहुत दर्द हो रहा था!

211 उनमें से कुछ सेवक लोग, पेंटीकोस्टल सेवक, एक कार में बैठकर और मुझे प्रिटोरिया की ओर ले जा रहे थे। मैं वहां दक्षिणी रोडेशिया से आया; और मैं वहां पर उतर गया और जो कुछ भी हो, मैं बीमार हो गया। और भाई बैक्सटर वहाँ बीमार बैठे हुए थे, और बिली पॉल बीमार हो गया था। और यहाँ हम परिसर के ठीक नीचे से गाड़ी चला कर जा रहे थे; यही वो जगह थी जहाँ अश्वेत लोग जो कुछ तो करते हैं उन्हें उनकी जाति को छोड़कर, कुछ जाति संबंधी पाप के कारण, और उन्हें वहां पर आना पड़ता हैं और वे उन अश्वेत लोगों को शहर में नहीं आने देते थे, सो वे बस टिन की बने हुयी छत के नीचे रहते या जो ऐसे ही कुछ भी वे जो कर सकते हैं, बहुत ही गंदा और इत्यादि, ये सच है। और वे वहां पर से होते हुए जाने लगे, और मैं ने वहां पर एक बोर्ड को लगा देखा, और लिखा था, "बीस मील प्रति घंटा गाड़ी चलाये।" और वे लोग पैंसठ मील प्रति घंटे से जा रहे थे। वे बेचारी बूढ़ी माताएँ अपने छोटे बच्चों को पकड़े हुए, नग्न नन्हे बच्चों को लिए, सड़क पर दौड़कर जा रही थीं, और लगभग दो वर्ष की आयु से लेकर पाँच या छह वर्ष तक; उन छोटे बच्चों को पकडे हुए, और चिल्ला रहे थे। वो एक ही समय में उनमें से चार बच्चों को मार डालने के काफी नजदीक था।

212 मैंने उसके कंधे को थपथपाया, मैंने कहा, "हे! तुम्हारे साथ क्या समस्या है? "

उसने पलट कर कहा, "क्या कहा आपने? "

213 मैंने कहा, "मैंने कहा, 'तुम्हारे साथ क्या समस्या है? ' कार को धीमा करो!"

कहा, "हमें आपको समय पर वहां पहुंचाने का आदेश मिला है।"

214 मैंने कहा, "मैं तुम्हें इसे रोकने का आदेश देता हूं।" और उसनें कहा... मैंने कहा, "क्या तुम्हारे मन में उन लोगों के प्रति कोई एहसास नहीं है? "

"कौन से लोग? "

मैंने कहा, "वहां वे जो छोटे बच्चे हैं जिनके ऊपर चलाकर तुम लगभग कुचलने वाले थे।"

कहा, "यह अश्वेत जाति के है!"

215 मैंने कहा, "तुम्हें शर्म आनी चाहिए! अपने आप को मसीही कहते हो? " मैंने कहा, "क्या तुम नहीं जानते कि माँ अपने बच्चे के बारे में कितना सोचती है, यदि तुमने इसे मार दिया होता, जैसा कि तुम्हारी माँ तुम्हारे बारे में सोचती होगी? " मैंने कहा, "वह अनपढ़ और अशिक्षित हो सकती है, लेकिन एक माँ का प्रेम अपने बच्चे के लिए रोता है। तुम्हारा कोई काम नहीं बनता कि इस तरह की चीज को करो। और तुम खुद को कहते हो... " मैंने कहा, "एक और बात, उस चेतावनी सूचक में लिखा है 'बीस मील प्रति घंटा चलाये,' मेरी बाईबल ने कहा, 'जो केसर का है वो केसर को दो।'" और उसने अपने सिर को झुका लिया। मैंने कहा, "तुम इसे बीस मील प्रति घंटा तक धीमा करो और उन लोगों के साथ ऐसा व्यवहार करो जैसे वे तुम्हारे भाई हों।" मैंने कहा, "तुम्हें ऐसा कुछ भी करने पर शर्म आनी चाहिए।" ओह, प्रभु, वे गोटीयां खाने वाले मेंढकों की तरह उड़ गए! लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा, पर मैंने अपनी बात को डाल दिया, मेरे तेज शब्दों को।

216 और हम वहां पर चले गये और लोग जानते थे कि मैं उनके लिए हूं, कि उनके लिए उस—उस सुसमाचार के संदेश को लाऊं। और परमेश्वर...

217 वे वहाँ पर आये, और उन्हें इधर उधर किया, और श्वेत को एक तरफ रखा, और अश्वेत को एक तरफ, और वहां पर अश्वेत व्यक्ति उनसे एक शब्द भी नहीं बोल सके, या कुछ भी नहीं। पवित्र आत्मा वहां से उनके बीच में जाता, और बीमारों, पीड़ितों, अपंगों को सामने लाकर, और उन्हें चंगा करता, और उन्हें यहां पर उनके बडे भेद–भाव की जटिलता के बीच में बैठाया गया जो वहां पर बनी हुई थी। दिखाता है कि परमेश्वर नम्र हृदय वालों के साथ कैसा व्यवहार करता है!

218 अब, उस व्यक्ति ने अभी तक संदेश को ग्रहण नही किया है और वह उस किताब को लिख रहा है।

219 अब, मुझे क्या करना चाहिए? वो बात, मुझे क्या करना... क्या—क्या मुझे वहां वापस जाना है? अब, यदि परमेश्वर मुझे सुसमाचार प्रचार के लिए बुला रहा है, तो मैं एक ही समय में उसका नबी और सुसमाचार का प्रचारक नहीं हो सकता। आप बस... यह... दो कार्य स्थान एक साथ नहीं होते है, मैं—मैं अब... मैं हवा से लड़ रहा हूँ। यदि मैं एक सुसमाचार का प्रचारक होने जा रहा हूँ, तो मुझे एक सुसमाचार का प्रचारक होना होगा। यदि मैं उसका नबी होने जा रहा हूँ, तो मैं कहीं तो पहाड़ों पर चला जाऊँगा और दूर बना रहूँगा; कोई कलीसिया नहीं, कोई सभा के लोग नहीं, जब तक मैं प्रभु से सुन नहीं लेता; और बोझ से आगे बढ़कर और इसे दे दूंगा, और वापस फिर से बोझ से आगे बढ़ूंगा। देखा? उन चीजों में से एक करना है, यह संतुलन में है। या, या तो यह पूरा हुआ है। मेरे लिए बस उन तीन चीजों में से एक को होना है। संदेश समाप्त हो गया है या, या तो मुझे इन दो कामों में से एक करना होगा। मैं नहीं जानता क्या करना है।

220 कल रात मैंने एक सपना देखा, और मैंने सपना देखा कि मैं एक सभा में जा रहा हूँ, और मैंने ऐसे लोगों का झुंड कभी नहीं देखा था! जहां तक मैं देख सकता था, वे एक बड़े स्टेडियम की तरह इकट्ठे हुए थे। और कोई तो मेरे पीछे आया जो बिली नहीं था, और वो मुझे वहां पर लेकर गया। और मैं कमरे में प्रार्थना कर रहा था, और मैं आ रहा था... अभिषेक के नीचे था; एक तरह से जैसे वे इसे कहते हैं, आपको समझने को लगाता है, जैसे की एक गेयर जहां मैं महसूस कर सकता हूं कि यह विचारों को परखना था। और वहां रास्ते पर एक व्यक्ति मुझसे बात करने लगा और जब उसने बात की तो विचारों का परखना छोड़ कर चला गया। मैं इसे महसूस नहीं कर सका। और फिर मैंने अपने आप को उसमें वापस खींचने की कोशिश की; मैं यह नहीं कर सका। मैं बस इसे नहीं कर सका। और मैं थक गया।

221 और मैंने भीड़ की ओर देखना आरंभ किया जैसे–जैसे वह बढ़ती जा रही थी। और जब मैंने देखा, मैंने कहा, "तो ठीक है, मेरे मन में एक विषय आया कि मैं जानता हूं कि वे संगठनाए और जिस तरह से उन्होंने अपने लोगों के साथ बर्ताव किया है, तो मैं उन्हें उसी प्रकार उस सुसमाचार का प्रचार करूंगा जितना मैं जोर लगाकर कर सकता हूँ।" और जब मैं मंच पर चलकर गया, तो उसने मुझे छोड़ दिया।

222 ना ही कोई विचारों को परखना था, ना ही उन संदेशों में से एक सन्देश; और मैं वहीं खड़ा रहा, और अब भी लोग प्रतीक्षा कर रहे थे। और मैंने कहा, "मैं क्या करूँ? "

223 और किसी ने कहा, "बस आगे बढ़ते रहो। बस आगे बढ़ते रहो, देखो," जब मैं वहां पहुंचूंगा तो ये प्रदान किया जाएगा। "बस आगे बढ़ते रहो।" देखा? तब मैं ठीक वहां पर था मंच पे–... और मैं जाग गया।

224 ये इसलिए भी हो सकता है क्योंकि मैं इसी विषय में सोच रहा था, कि मैंने इस तरह के सपने को देखा। ऐसा हो सकता है। हो सकता है ये सपना आत्मिक रूप से हो। मैं नहीं जानता। मेरे पास इसका कोई अनुवाद नहीं है, मुझे—मुझे नहीं पता कि इसका क्या मतलब है। मैं बस आपको नहीं बता सकता हूं मुझे—मुझे नहीं पता यह क्या है। लेकिन, ये जो भी हो, मैं कहीं तो दो रास्ते पर हूं। देखा? वहां पर कहीं तो, कुछ तो है, कुछ तो है।

225 और मैं—मैं एक बात कह सकता हूं, और मुझे बहुत ही गलत समझा गया है। या *इस* तरह से कहता है, मैं... इसे *इस* तरह से या *उस* तरह से, कोई इसे *इस* तरह से समझता है। और यह वैसे ही है, आप कुछ तो सीधा एक बात की ओर इशारा करके कहते हैं, और कोई इसे *इस* तरह से सुनता है, तो वह दूसरे को बताता है और बात थोडी सी आगे घुम जाती है, और अगला थोड़ा सा और आगे घुमा देता है, अगला थोड़ा और घुमा देता है, उसके बाद यह बात बोले गये सही उद्देश्य से बाहर हो जाती है। कोई इसे *इस* तरह से सुनता है, वह इस तरह से जाता है, उस तरह, और उस तरह से जाता है। देखो, और आप दूर हो जाते हो। और इसी तरह से यह बाहर सभाओं, और इत्यादि में—में होता है, जब आप वास्तव में सीधे उस बोले गये सही उद्देश्य पर जाते हों। अब, चुने हुए लोग उस सही उद्देश्य को सुनेंगे। उन्हें वह स्थान मिल जाता है! वे समझ जाते हैं, क्योंकि मैंने बिल्कुल वही कहा था जो इसका मतलब था (देखा?) बिल्कुल वैसा ही, बिल्कुल जो संदेश था, बिल्कुल ठीक–ठीक।

226 अब, और यही है जो मैं कहता हूं, ऐसा लगता है कि हर समय, लगातार, अधिक गलतफहमी होती रखती है। यह क्या है? ये... क्या मैंने उन सारे बीजों को बोया हैं जिन्हें बोया जाना चाहिए? क्या समय नजदीक है? क्या यह महान संदेशवाहक ठीक अभी दृश्य पर कदम रखने को तैयार है? क्या

प्रभु का आगमन निकट है? क्या यह एक देश से दूसरे देश में बुलाना है? क्या उसने मुझे सुसमाचार के प्रचार में से बुला लिया है?

227 याद रखें मैंने... मैंने पत्नी को इसका पूर्वाभ्यास कराया। आप में से बहुत से लोग किताब में... लगभग तीस वर्ष पहले जिस दिन मैंने वह आधारशिला या कोने का पत्थर रखा था, ठीक वहां कोने में, ये वहां कहा गया... उस दिन सुबह को जब उसने मुझे जगाया, और वहां अपने कमरे में बैठा हुआ था, यहां तक कि मेरा विवाह होने से पहले या कुछ भी, मैं बस एक लड़का प्रचारक था, उसने कहा, "सुसमाचार के प्रचारक के काम को करो। नहीं... तुम सुसमाचार के प्रचारक नहीं हो, लेकिन उसके *काम* को करो," मुझे एक वचन का हवाला दिया। जब मैं वहां जल्दी से जाकर और उन दो पेड़ो को देखा, उनमें से एक को *यहां* से टुटा हुआ... एकात्मकता और त्रिएकता। मैंने उन्हें कभी पार नहीं किया, मैंने उन्हें इस तरह से बोया। फिर उसने फल को मेरे हाथ में गिरते देखा और फिर मुझे कलवरी की ओर लेकर गया। अब सुनना, उसने कहा, "जब तुम इससे बाहर आते हो, तो दूसरा तीमुथियुस 4, दूसरा तीमुथियुस 4 पढ़ना।"

228 और इसने मुझे छोड़ दिया मैं कमरे में बैठा हुआ था। मैं यह भी नहीं जानता था कि यह एक दर्शन था। तब मैं नहीं जानता था कि इसे क्या कहूं। मैं (उस दिन) वहां नींव की आधारशिला या कोने के पत्थर को रख रहा था। यह लिखा हुआ है, अभी वहां उस आधारशिला पर लिखा हुआ है, और लिखा गया कि:

> *... सुसमाचार के प्रचार का काम करो, अपनी सेवकाई का पूरा प्रमाण दो।*
>
> *क्योंकि ऐसा समय आएगा जब वे खरे उपदेश को सहन न कर सकेंगे; लेकिन उनकी अभिलाषाओं के अनुसार... अपने लिए कुछ मिलाकर बहुतेरे शिक्ष—शिक्षक एकत्र करेंगे, कानों की खुजली के कारण;*
>
> ... और अपने कान सत्य से फेरकर *कथा–कहानियों पर लगाएंगे*। (यही दोनों है एकात्मकता और त्रिएकता वाले, वे चूक गए हैं...)

229 अब, उसने कभी नहीं कहा "तुम सुसमाचार के प्रचारक हो," उसने कहा, "उसके *काम* को करो।" समझे? अब, क्या समय आ गया है? क्या

मैं इसे आगे जारी रखूं या कुछ और करने का समय आ गया है? यह मैं नहीं जानता।

230 यही है जो मैं चाहता था, आपके साथ ह्रदय से ह्रदय की बात करूं। और मैंने अभी ज्यादा समय ले लिया है, आपको जाने देने का, आपको इतने लंबे समय तक रोके रखने के लिए क्षमा चाहता हूं।

231 परंतु, यदि प्रभु ने चाहा, तो भाई बोज़ के रविवार को आने से ठीक पहले, मैं हो सकता है रविवार सुबह को आकर और *सांझ के समय के सुसमाचार के प्रचारक* इस विषय पर बोल सकता हूं, या एस ही कुछ तो, देखो, क्या ये आपके लिए ठीक रहेगा, पास्टर। [भाई नेविल कहते हैं, "अच्छा है! परमेश्वर की स्तुति हो!"—सम्पा।] प्रभु की चाहा तो, अगले रविवार की सुबह। और मैं आज रात उसी पर बोलने वाला था, और मुझे ह्रदय से ह्रदय की बात करना था हो सकता है किसी और समय बोलूं, लेकिन मैं महसूस करता हूं कि यह इसी तरह से बेहतर होगा, हो सकता है, देखते है, यदि यह प्रभु की इच्छा हुई तो।

232 मैं आपके लिए प्रार्थना करता हूं। आप मेरे लिए प्रार्थना करें। बस ऐसे ही ना कहें—ना कहें, "भाई ब्रंहम, मैं करूंगा।" आप इसे करें! समझे? मैं उसी पर निर्भर रहता हूं। मैं वह हूँ जिसे प्रार्थना की आवश्यकता है, यदि वह मुझे कहीं तो धकेल सकता है। याद रखें, मैं एक मनुष्य ही हूं, मैं परमेश्वर नहीं हूं। मैं केवल आपकी तरह ही एक मनुष्य हूं, परमेश्वर की इच्छा को जानने की कोशिश करता हूं जिससे कि मैं इसमें चल सकूं। कोई भी नहीं जान सकता जब तक... "और जिसके पास बुद्धि की कमी है, वह परमेश्वर से माँगे।" और यही है जो मैं कर रहा हूं, परमेश्वर से मांग रहा हूं। और मैं इसे सिर्फ कलीसिया के रूप में आपके सामने रख रहा हूं, एक ह्रदय से ह्रदय की बात को करने लिए। क्या, हम कहाँ पर हैं? हम कहाँ पर खड़े हैं? हम किस समय में रह रहे हैं? हम अंत समय में हैं, मैं विश्वास करता हूं। मैं विश्वास करता हूं कि हम ठीक यहाँ अंत में हैं।

233 अब, यह एक ओर या दूसरी ओर बदल सकता है। तो आप... या तो मेरा काम पूरा हो गया है, या मुझे वहां उस ओर कार्य क्षेत्रों में बुलाया गया है, या, या तो वो एक सुसमाचार के प्रचारक या एक नबी बनायेगा। उन में से एक बात को जगह लेना है, क्योंकि मैं अंत में हूं। मैं नहीं जानता क्या करना है। मैं नहीं जानता कि किस रास्ते पर जाना है। यहां तक कि इन

सभाओं में, जो मैं उनसे संपर्क कर रहा हूं, मैं प्रार्थना कर रहा हूं, मैंने कहा, "प्रभु, मैं वैसा नहीं करूँगा जैसा मैं करता आया हूँ। मैं इसे उसी तरह से संपर्क करूंगा जैसे मैंने वहां पहले करते आया था, मैं उस सुसमाचार के प्रचार में वापस आ जाऊंगा। बस ऐसा तब तक करूंगा जब तक आप मुझे उस बुलावट को नहीं देते जो मुझे करना चाहिए।"

234 मैंने—मैंने हर जगह पर बीज को बोया है, दुनिया भर में टेप चले गए हैं, मेरे संदेश दुनिया भर में चले गए हैं, सारी कलीसियाये इसके बारे में जानती हैं, चारों ओर हर जगह, और जिसे पिता ने चुना है, वह उसे बुलाएगा। समझे?

235 और अब ये ऐसा दिखाई देता है कि यह उनके लिए एक अपराध बन जाता है। ओह, वे इसके साथ कुछ भी लेना–देना नहीं रखना चाहते हैं। नहीं, श्रीमान। क्या मैं बस आगे बढ़कर और बीमारों के लिए प्रार्थना करूं, और उस पर छोटे से सरल संदेश को दूं, और—और देखूं कि पवित्र आत्मा किस ओर मेरी अगुवाई करता है? जब तक वह एक और बुलावाट को नहीं देता तब तक मेरे मन यही करने का विचार है। क्योंकि एक मनुष्य तब तक नहीं जानता कि क्या करना है जब तक कि आप परमेश्वर से यह नहीं समझ जाते कि क्या करना है, जब तक कि आप अपनी पकड को प्राप्त नहीं कर लेते।

236 और मैं—मैं स्थानीय चर्च के इर्द–गिर्द पड़े नहीं रहना चाहता। यह संदेश मेरे ह्रदय में है। लोग मर रहे हैं, टूट कर बिखर रहे हैं, अनंतता में बाहर जा रहे हैं। मैं क्या कर सकता हूँ? मुझे इसे विस्फोट करने दो जहाँ कहीं भी मैं कर सकता हूं, और प्रभु यीशु के बारे में तब तक बताऊंगा जब तक कि वो स्थिति को नहीं बदल देता। आप मेरे लिए प्रार्थना करें, मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा। मैं आशा करता हूं कि आप ऐसा करेंगे।

237 अब, याद रखे बुधवार की रात, प्रार्थना की सभा और शुक्रवार की रात, पुरुषों की सभा है। क्या यह यहाँ पर होने जा रही है? हो सकता है मैं आप सभी से मिलने के लिए वहां आऊं, मैंने आपको बताया था कि मैं आकर और शुक्रवार की रात को आपसे मिलूंगा। तो ठीक है, उसके बाद रविवार की सुबह, प्रभु की इच्छा हुई, मैं *संध्या के समय के सुसमाचार के प्रचारक* पर बोलने जा रहा हूं, यदि प्रभु की इच्छा हुई तो; यह बदल भी सकता है, मैं नहीं जानता। लेकिन यही है जो मैं ठीक अभी सोच रहा

हूं, शाम के समय में जिस तरह के सुसमाचार के प्रचारक होंगे। और फिर रविवार की रात को, भाई बोज़ की फिल्म, और अब इसे याद रखें। और हमारे लिए प्रार्थना करे, क्योंकि अगले सप्ताह हम कटनी के खेत में पहुंचेंगे, प्रभु ने चाहा तो।

क्या आप उससे प्रेम करते हैं? आमीन!
क्या आप उसकी सेवा करेंगे? आमीन!
क्या आप उस पर विश्वास करेंगे? आमीन!
आमीन! आमीन!

वो पिता है। आमीन!
वो पुत्र है। आमीन!
वो पवित्र आत्मा है। आमीन!
आमीन! आमीन!

अब भी गाते हैं। आमीन!

आमीन! आमीन! आमीन! आमीन!

क्या आप उससे प्रेम करते हैं? आमीन!
क्या वो आ रहा है? आमीन!
क्या आप तैयार हो? आमीन!
आमीन! आमीन!

आज की रात हो सकता है, क्या आप तैयार हैं? आमीन!
सुबह में, क्या आप तैयार हैं? आमीन!
किसी भी समय, क्या आप तैयार हैं? आमीन!
आमीन! आमीन!

अब भी गाते हैं। आमीन!
और चिल्लाते हैं। आमीन!
और प्रार्थना करते हैं। आमीन!
आमीन! आमीन!

प्रभु यीशु आ। आमीन!
अपनी कलीसिया को तैयार रखें। आमीन!
हम तैयार कर रहे हैं। आमीन!
आमीन, आमीन!

मैं अपनी मां को देखना चाहता हूं। आमीन!
मैं अपने पिता को देखना चाहता हूं। आमीन!
मैं अपने उद्धारकर्ता को देखना चाहता हूँ। आमीन!
आमीन! आमीन!

ओह, क्या आप उससे प्रेम करते हैं? आमीन!
क्या आप उसकी सेवा करेंगे? आमीन!
क्या आप उससे प्रेम करते हैं? आमीन!
आमीन! आमीन!

238 हमारे स्वर्गीय पिता, यह हमारा... एक छोटा सा *आमीन* गीत है। हम आपकी शिक्षा से प्रेम करते हैं, हम सभी कहते हैं "आमीन!" हम आत्मा से प्रेम करते हैं, "आमीन!" हमें विश्वास है कि वह आ रहा है, "आमीन!" हर एक वचन जो आप अपनी बाईबल में बोलते हैं, प्रभु, हम इसे "आमीन!" के साथ विराम लगाते हैं। हम इसके हर एक वचन पर विश्वास करते हैं, इसे बस अपने ज्ञान के अनुसार सबसे अच्छा सिखाते हैं, जिस तरह से यह लिखा गया है, हर एक विराम चिह्न, हर एक समास चिह्न, हर पूर्ण विराम, हर एक अल्पविराम, जिस तरह से यह लिखा गया है, हमारे उत्तम ज्ञान के अनुसार।

239 हे परमेश्वर, हमारे लिए लौटाये, प्रभु। हमें वह महान संतुष्टि दें जिसके लिए हम लालसा करते हैं, कि हम एक दिन दूतों की आवाज़ को सुनेंगे जब वे आसमान में हाल्लेलुय्या के एक सामूहिक स्वर में चिल्ला उठेंगे, जब यीशु वहां पर प्रकट होगा और कलीसिया को उठा लिया जाएगा।

240 अविश्वासी सोचने लगेंगे, "क्या हुआ है, उन लोगों के साथ क्या बात हुई है? वे कहां पर गए? " हे परमेश्वर, वे नहीं समझेंगे, वे यहाँ तक उसे देखेंगे भी नहीं। लेकिन कलीसिया उसे देखेगी, अर्थात्, बुलाए हुए, चुने हुए, फिर से जन्मे, वे बस लुप्त हो जाएंगे। वे नहीं जान पायेंगे कि वे कहां पर हैं, उन्हें बस इतना ही पता होगा कि वे गायब हैं; वे उनके प्रभु के साथ होंगे।

241 तो उस समय पर, प्रभु, क्या ये एक भयानक बात नहीं होगी जो यहाँ पर छुटे हुए लोग होंगे, यह जानते हुए कि उद्धार का समय बीत चुका है? अब और छुटकारा नहीं! वचन ने कहा, "जो मलिन है, वो मलिन

रहेगा, जो अपवित्र है वो अब भी अपवित्र ही रहेगा।" ओह, यह क्या ही वो घड़ी होगी!

242 होने पाए अब हम तैयार हो जाए, प्रभु। यह क्या ही अद्भुत समय होगा यदि हम आपसे मिलने की तैयारी करें, पिता, और अपने हृदय को हर दिन तैयार करें। और यदि हम कोई गलती को करते हैं और गिर जाते हैं, जैसे इस बेचारे प्राण ने आज इस प्रश्न में लिखा है, उन्हें जानने दो कि यीशु मसीह का लहू सारे पापों को शुद्ध करता है। उस व्यक्ति का ऐसा करने का कोई इरादा नहीं है, प्रभु। वे भूखे और प्यासे हैं, वे आत्मा की उस संगति में वापस आने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें ऊपर ले आये, प्रभु। उन्हें इस बादल से घिरे हुए, निराशाजनक संसार से ऊपर उठाये; ऊपर, जहां पर सूरज का उजाला उनके प्राणों पर फिर से चमक सके। वे नीचे गिरे हुए हैं उस—उस—उस बादलों के—के विशाल क्षितिज से भी नीचे, और वे वहां कीचड़ के अंदर चले गए हैं, उस पाप में उतर गए हैं। लेकिन एक समय वे सूरज के उजियाले में रहते थे। वे—वे फिर से वापस जाना चाहते हैं, प्रभु। उन्हें आज रात वापस ले जाये, प्रभु। और यदि यहां कोई ऐसा है जिसने कभी वहां होने की गवाही को नहीं दिया है, और यह जानता है...

243 ये सभी मिसाइलें और हर एक चीज बिल्कुल ठीक वचन के अनुसार मेल खाती है, बिल्कुल ठीक जिस तरह से चीजें होनी चाहिए। और हम देखते हैं कि दुनिया की कलीसिया ने क्या किया है। हम—हम इसे बस—बस वैसे ही देखते हैं जैसे ये नूह के दिनों में था, ठीक वैसे ही जैसे सदोम के दिनों में था, बिल्कुल ठीक जो यीशु ने कहा था वो बात जगह लेगी; लहरों का कोलाहल होगा; किस तरह से महिलाएं चलेंगी और कपड़े पहनेंगी, और वे कैसे तांक-झांक करेंगी, और—और जिस तरह से वे चलती हैं, और ठुमकती और मटकती है, और ऐसे ही करती है... ठीक वही जो नबी ने कहा था। बस दानिय्येल ने जो कहा, "लोहा और मिट्टी एक साथ सहमत नहीं हो सकते।" और, ओह, हर एक चीज, यह पूरा हुआ है, प्रभु। हम ठीक अंत समय में हैं। परछाइयां गिर रही हैं, प्रभु। लाल बत्तियां चमक रही है, घंटियां बज रही हैं।

244 हे परमेश्वर, आपके लोगों को यह एहसास हो जाए कि बहुत ही जल्द वो दूत धरती और समुद्र पर पैर को रखेगा। और अपने हाथ उठाकर को

कहेगा, "समय अब और नहीं रहेगा!"

तब ओ, क्या ही रोना और विलाप करना होता है,
जब नाश हुए लोगों को उनके परिणाम के बारे में बताया जाता है;
वे चट्टानों और पहाड़ों पर रोएंगे,
वे प्रार्थना करेंगे, लेकिन प्रार्थना के लिए बहुत ही देर हो चुकी होती है।

245 अभी यह उद्धार का दिन है। "जिसके कान हैं, वो सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।" इसे प्रदान करें, प्रभु।

246 होने पाए कि रेपचर के उस दिन के लिए यहां एक भी व्यक्ति चुकने ना पाए। होने पाए हम परमेश्वर के प्रेम और परमेश्वर की आत्मा से इतने भर जाएं इतना तक पवित्र आत्मा हमें प्रतीक्षा से दूर उठा लेगा, या यहाँ तक कि हम अपने निज भाग में विश्राम करें। जैसा कि आपने दानिय्येल से कहा, "अपने मार्ग पर जाओ, दानिय्येल, क्योंकि तुम विश्राम करोगे। लेकिन उस दिन तुम अपने निज भाग में खड़े रहोगे।"

247 हे परमेश्वर, आपने कहा, "वे जो बहुतों को फिराते है... पाप से धार्मिकता की ओर वे सदा–सर्वदा के सितारों की नाईं प्रकाशमान रहेंगे।" क्या ही दिन है! लेकिन वे दुष्ट विनाश के अंदर चले जाएंगे। हे परमेश्वर, मनुष्य को ठीक अभी जीवन में उसकी स्थिति का एहसास कराये, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, वे उस एक धर्मी की ओर मुड़ सके। इसे प्रदान करें, पिता।

248 अब कुछ समय के लिए सिर झुकाये हुए, समापन की प्रार्थना में, क्या कोई ऐसा होगा जिसे याद किया जाना चाहिए, कहते हुए, "भाई ब्रंहम, मैं अपना हाथ आपकी ओर नहीं लेकिन परमेश्वर की ओर उठाता हूँ। होने पाए परमेश्वर मुझ पर दया करें और मैं उस दिन मेमने के लहू में धुलकर उपस्थित रहूँगा"? परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दें, आपको, आपको, आपको, आपको, बहुत से हाथ उठे हुए है।

249 अब, स्वर्गीय पिता परमेश्वर, हर एक को आशीष देना। आपने उनके हाथों को देखा हैं। आप उनके हृदय को जानते हैं।

250 और हमें एहसास है, प्रभु, कि हम... कुछ तो बात जगह लेने जा रही है। संसार इसे जानता है, वे गीतों को गा रहे हैं, और टेलीविजन दिमागी

पागलों की तरह चुटकुलों और गीतों की बौछार कर रहे हैं। वे क्या कर रहे हैं? जैसे एक छोटा लड़का अंधेरे में सीटी बजाता हुआ, कब्रिस्तान के पास से गुजरता है, मृत्यु से डरा हुआ, सीटी बजाकर उसकी मस्तिष्क को संवेदनाओं को शांत करने की कोशिश कर रहा होता है। वो केवल खुद को मूर्ख बना रहा है। वैसे ही यह राष्ट्र केवल हँस रहा है, मजाक उड़ा रहा है, ठट्ठा उड़ा रहा है, जैसा कि कहा गया था कि वह समय आएगा जब वे ऐसा करेंगे, "सत्य से फिरकर कथा–कहानियों की ओर जायेंगे," और किस तरह से वो "अंतिम दिनों में ठट्ठा करनेवाले और मजाक उड़ानेवाले आयेंगे," और किस तरह से अंत समय में ये बातें होंगी, "ढीठ, घमंडी, भक्ति का भेष धरने वाले, सच्चाई से मुंह मोड़ने वाले," और हम इसे अभी देखते हैं।

251 हे परमेश्वर, लोगों को जगाये! उन्हें एहसास हो जाए कि वे ठीक अभी निश्चिंत हो सके कि उन्होंने मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर लिया हैं। जब हम मसीह, पवित्र आत्मा को ग्रहण करते हैं, तो हम संसार से ऊपर उठ जाते हैं। तब हम जान जाते हैं कि हम पहले ही उसके साथ उठ चुके हैं, और हम बस उस बदलाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं जहां पर मरणहार क्षेत्रों में मृत्यु ठहर जाएगी, नश्वर जीवन के ये छोटे–छोटे पहिये जो हमारी चेतनाओं में घूम रहे हैं, उन्हें छुटकारा मिल जाएगा। हे परमेश्वर! और तब हमारे पास उसके समान एक शरीर होगा और हम उसके साथ अनंत काल तक जीवित रहेंगे, वो महान प्रतिज्ञा किया गया देश, जिसका प्रमाण हैं।

252 कोई एक भी इससे ना चुके, प्रभु। जिन लोगों ने हाथ उठाया, होने पाए वे (आज रात) राज्य में प्रवेश करें। हो सकता है जब वे घर जाएं, तो हो सकता है वह पुरुष अपनी पत्नी से कहे, "प्रिय, आज रात मुझे किसी ने तो छुआ"; या पत्नी पति से कहती है, "प्रिय, मैंने—मैंने सचमुच अजीब सा महसूस किया।" "जी हाँ, प्रिय, आओ हम यहाँ बिस्तर के किनारे घुटनों के बल बैठ जाए। हमने पहले कभी ऐसा नहीं किया, लेकिन आओ आज हम रात प्रार्थना करें। आओ हम परमेश्वर से मांगें कि वह हम पर दया करें और हमें एकत्र करें। ह्रदय प्रिय, मैं आपसे प्रेम करती हूँ।"

253 और वो—वो दूसरा, पुरुष स्त्री से कहता हैं, और वे एक दूसरे से कितना प्रेम करते हैं, "मैं—मैं—मैं तुम्हारे साथ स्वर्ग में रहना चाहता हूँ। मैं इसे चूकना नहीं चाहता। और किसी दिन जब हमारा घर पर स्वागत किया

जाएगा और मैं तुम्हारा हाथ पकड़ लूंगा और बड़े–बड़े गलियारों और अनंत बगीचों में से होकर चलेंगे, जहां मेमना और—और सिंह एक साथ घुल के रहेंगे, और भेड़िया और वो—वो गाय एक साथ घुल के रहेंगे. और फिर कोई मृत्यु नहीं होगी और कोई दुःख नहीं होगा। और जैसे–जैसे हम वहां से होकर जा रहे होते हैं और वातावरण में दूतों के गीत होंगे, हमारे ऊपर सामूहिक स्वर होंगे, जब दूत घर पर हमारा स्वागत करते हैं, मैं वहां तुम्हारे साथ रहना चाहता हूं, प्रिय। मैं—मैं तुमसे प्रेम करता हूं। हो सकता हूं तुम बूढ़े हो रही हो, मैं याद करता हूं जब मैंने तुमसे विवाह किया था, तुम्हारे सुंदर से चेहरे को।" "और—और आप, और मैं आपको याद करती हूं, प्रिय, जब आप एक सुंदर युवा पुरुष थे।"

254 लेकिन ये सब लौटाया जाएगा। वो जिसने आपके सुंदर से चेहरे को एक बार रंगा था, उसके मन में इसका—इसका रेखाचित्र है। वह इसे वहां फिर से रंग सकता है जहां यह कभी भी फीका नहीं पड़ेगा। हे परमेश्वर, लोग जान जाए कि यह कोई काल्पनिक सपना नहीं है, बल्कि यह एक—एक सच्चाई है, और परमेश्वर, पवित्र आत्मा, यहाँ पर है ताकि गवाही को रखे। युगों–युगों से उसके वचन में इसके बारे में बताया गया है। आइए हम पीछे की ओर मुड़कर और देखें, हमारा इतिहास पढ़ें। और कोई भी मनुष्य जो कभी धरती पर किसी भी चीज़ के फलस्वरूप रहा हो वो मनुष्य, परमेश्वर का भय रखने वाला मनुष्य है, यहां तक कि हमारे राष्ट्रपति जैसे वाशिंगटन, लिंकन, इत्यादि के, *यहोशु* आदि और—और आदि... *मूसा,* और वे जो... संसार का महान मनुष्य जो ऐसे मनुष्य रहे है जिन्होंने उस पर विश्वास किया, और उनकी गवाही पर मोहर लगायी, और वहां उस ओर उस पुनरुत्थान की प्रतीक्षा कर रहे है। हमारे पास इसका पहला फल है, बयाना।

255 अब मैं प्रार्थना करता हूं कि मेरी प्रार्थना के जरिये से आप इन लोगों को उनकी प्रार्थना के साथ स्वीकार करेंगे और उन्हें राज्य में लेकर आयेंगे। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

256 परमेश्वर आपको आशीष दें, आप पर बहुतायत से दया करें, आप पर अपना चेहरा चमकाएं, और आपकी रक्षा करें, और आपको सारी स्वर्गीय आशीषों में आशीष दें।

257 अब मैं यह कहता हूं, ना ही कठोरता में, प्रेम से। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप जो उसे नहीं जानते, आपका तकिया इतना सख्त हो जाएगा कि आप अब और सो न सकेंगे। आपका भोजन इतना अशुद्ध हो जायेगा इतना तक अब आप और इसे नहीं खा सकेंगे, इतना तक कि आप कहीं तो किनारे पर बाहर जाकर और कहेंगे, "हे प्रभु, मुझ पर दया करें।" यह आपके लिए कुछ भी गलत कामना को नहीं रखता है। यह आपकी भलाई के लिए है, भाई, बहन। मैं बस प्रार्थना करता हूं कि यह आपके लिए उसी तरह से होगा।

जब तक हम मिलते नहीं! हमारे मिलने तक!
हमारे मिलने तक! हमारे मिलने तक!
हमारे मिलने तक! हमारे मिलने तक!
हमारे फिर से मिलने तक परमेश्वर आपके साथ हो;

हमारे फिर से मिलने तक परमेश्वर आपके साथ हो!
उसके परामर्श मार्गदर्शक के द्वारा, तुम्हारा समर्थन हो,
तुम्हारे सामने की भयंकर लहरों को प्रहार करे;
परमेश्वर आपके साथ हो हमारे मिलने तक...

258 अब पुराने समय के लिए, आओ अब किसी से हाथ को मिलाये।

जब तक हम...

प्रभु यीशु, बनाये... ? ... चंगा करें, संक्रमण को बाहर निकालें और उसे स्वस्थ करें, प्रभु, यीशु के नाम में।

धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।
जब तक हम... ? ...

जब तक हम...
... यीशु के...

259 आपको याद है हम उन गीतों को गाया करते थे? आइये... और यह दूसरा एक जिसे हम बहुत वर्ष पहले गाया करते थे, मैं नहीं जानता कि यहां कोई है या नहीं, जब हम यहां एक पुरानी भट्टी के चारों ओर एक दूसरे के हाथों को पकड़ते, और जमीन पर कीचड़ होता था। आपको याद है? हम गाते थे:

हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
सुन्दर, सुन्दर सिय्योन;
हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
परमेश्वर का वह सुंदर शहर।

260 क्या आप जानते हैं कि सह–शताब्दी में सिय्योन क्या होगा? सिय्योन पर एक उजियाला होगा, और यह दिन के समय में सूर्य से आई छाया होगी और रात में प्रकाश के रूप में होगा, क्योंकि वहाँ पर रात नहीं होगी। ओह, प्रभु!

सिय्योन के खेत फसल को उपजाते हैं
एक हजार पवित्र मिष्ठान
इससे पहले कि हम उस स्वर्गीय सिंहासन तक पहुँचें,
इससे पहले कि हम उस स्वर्गीय सिंहासन तक पहुँचें,
या सुनहरी सड़कों पर चले,
या सुनहरी सड़कों पर चले।

अब सब एक साथ मिलकर:

हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
ओह, सुंदर, सुंदर सिय्योन;
हम सिय्योन की ओर आगे बढ़ रहे हैं,
परमेश्वर का वह सुंदर शहर।

261 मैं बस इसे पसंद करता हूं, मुझे अब लगता है कि ये बहुत ही सुंदर है। अब, क्या आपको ये पुराने समय के गीत पसंद नहीं हैं? मैं सोचता हूं कि यह उस काट कर भरी गयी चीजो की तुलना में कहीं बेहतर है जिसे हम आज गीत कहते हैं। मैं बस इसे पसंद करता हूं। और मैं कलीसिया में एक पुराना गीत गाया करता था, आपको याद है:

स्थान है, स्थान है, हाँ, वहां स्थान है,
वहां झरने में आपके लिए स्थान है।

262 ओह, प्रभु! वे अच्छे, पुराने गीत, मेरा विश्वास है कि कलम पवित्र आत्मा के द्वारा निर्देशित की गयी थी, जिन्होंने उन गीतों को लिखा था।

समीप, मेरे परमेश्वर, तेरी ओर, तेरे समीप!
यद्यपि यह क्रूस ही है जो मुझे ऊपर उठाता है।

263 फिर भी, चार्ल्स वेस्ली और उन महान लेखकों ने, जिन्होंने इस तरह के गीत लिखे, वे कवि। यह सुंदर है, मैं सोचता हूं कि वे बहुत अच्छे हैं। और फिर हम हमेशा ही... यह याद होगा:

हे ब्यूला देश, प्यारे ब्यूला देश,
जब मैं सबसे ऊँचे पर्वत पर खड़ा हूँ,
मैं दूर समुद्र के पार देखता हूँ,
जहाँ तू ने मेरे लिये भवन तैयार किए हैं।

264 क्या आपको याद है पहली बार जब प्रभु का दूत वहां नदी पर प्रकट हुआ था? हम गा रहे थे:

यर्दन के तूफ़ानी तटों पर मैं खड़ा हूँ,
और एक इच्छा भरी नजर को डाला,
कनान की सुन्दरता और खुशहाल देश के लिए,
जहाँ मेरी जायदाद रखी है।

मैं उस प्रतिज्ञा किये गये देश के लिए बाध्य हूं,
कौन आकर और मेरे साथ जाएगा?
मैं उस प्रतिज्ञा किये गये देश के लिए बाध्य हूं।

265 जब हम यह गा रहे थे, एक आवाज आसमान से चिल्ला उठी, और वह महान अग्नि–स्तम्भ चक्कर लगाते हुए यहाँ नीचे आया और कहा, "जैसा कि यूहन्ना बप्तिस्मा देने वाले को उसके पहले आगमन के आगे–आगे भेजा गया था, तुम्हारे पास एक संदेश है जो दूसरे आगमन के आगे–आगे जायेगा।" देखा वह कहाँ चली गई है। वो इकतीस वर्ष पहले की बात है। देखो कि यह तब से कहाँ चली गयी है, सारे संसार में बेदारी की आग में। और अब हम इसे ठंडा होते हुए देख रहे हैं। समय नजदीक है।

266 आइए अब हम सारी घोषणाओं को याद करते हुए सिरों को झुकाएं।

267 झुंड का महान चरवाहा, जिसकी ओर हम किसी दिन आते हुए देखते हैं, हमारे हृदय उस घड़ी की लालसा कर रहे हैं जब हम उसे देखेंगे। एक दिन आप पहाड़ पर बैठे हुए थे और आपने अपने लोगों को सिखाया, आपने कहा, "इस प्रकार से प्रार्थना करना:"

हमारे पिता तू जो आसमान में हैं, तेरा नाम पवित्र माना जाये।
तेरा राज्य आये। तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे धरती पर भी पूरी हो।
हमें इस दिन हमारी रोज़ की रोटी दें।
और हमारे अपराधों को क्षमा कर, जैसे हम अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं।
और हमें परीक्षा में न ला, परन्तु बुराई से बचा; क्योंकि राज्य और शक्ति और महिमा सर्वदा तेरी ही है। आमीन।

268 बाईबल ने कहा, "और उन्होंने एक स्तुति गान गाया और चले गये।"

यीशु के नाम को अपने साथ ले,
दुःख और शोक की संतान;
यह आपको आनंद और विश्राम देगा,
जहां कहीं तुम जाओ इसे लो।

बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर! (कितना मधुर!)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

269 क्या यह सुंदर नहीं लग रहा है? बस एक बार लेंगे, बस एक इधर और उधर, और जब हम गाते हैं तो इसे दोबारा सुनें:

यीशु के नाम में झुकते हैं,
उसके चरणों में दंडवत करते हुए, (देखा?)
स्वर्ग में राजाओं के राजा को हम उसे ताज पहनाएंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी होती है।

ओह, क्या यह सुंदर नहीं है? आइये देखते हैं:

यीशु के नाम को अपने साथ ले,
हर एक फंदे से एक ढाल के नाई;
जब परीक्षाये इर्द–गिर्द तुम्हे घेरे होती है,
प्रार्थना में बस उस पवित्र नाम की साँस को लें। (देखा?)

ओ बहुमूल्य नाम! आइए इसे गाएं:

यीशु के नाम को अपने साथ ले,
हर एक फंदे से एक ढाल के नाई;
जब आपके चारों और परीक्षाये घेरे होती है,
उस पवित्र नाम का प्रार्थना में अभिव्यक्त करें।

ओह बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर!
(ओ कितना मधुर!)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनन्द;
बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर! (कितना मधुर!)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

270 अब, क्या हम अपना सिर झुकाएंगे, हमारे पास्टर प्रार्थना में सभा को समाप्त करेंगे। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई नेविल।

प्रश्न और उत्तर HIN62-0527

(Questions and Answers)

कलीसिया श्रृंखला का प्रबन्ध, व्यवस्था और शिक्षा

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 27 मई, 1962 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org